E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 26 | गुवाहाटी | गुरुवार, 27 अगस्त, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

प्रवासी राजस्थानी बदलते राजस्थान में करें ज्यादा से ज्यादा निवेश : मुख्यमंत्री पेज 2

पूर्वोत्तर भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के लिए एक रणनीतिक ... पेज 3

स्नातक में पढ़ने वाली 50 हजार बेटियों को अक्तूबर-नवबंर में दी जाएगी... पेज 5

3 अक्तूबर से शुरू होगी वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स लीग पेज 7

सुप्रभात

जहां लक्ष्मी (धन) का निवास होता है, वहां सहज ही सुख-संपदा आ जुड़ती है।

- **आचार्य चाणक्य**

मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता विधेयक को मिली राज्यपाल की मंजूरी

भोपाल (हिंस)। मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम बढ़ाया है। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने बुधवार को विधानसभा से पारित समान नागरिक संहिता विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी है। अब विधि एवं विधायी विभाग इसे मुख्य सचिव के माध्यम से राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए केंद्र सरकार को भेजेगा। प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी संबंधित अधिकारियों

से समन्वय करेंगे। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश विधानसभा ने 21 जुलाई को समान नागरिक संहिता विधेयक पारित किया था। विधेयक को मंजूरी के लिए राजभवन भेजा गया था। राज्यपाल ने इस पर लोकभवन की विधि और विधायी शाखा से विधिक अभिमत मांगा था। कानूनी राय मिलने तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की राज्यपाल से मुलाकात के बाद विधेयक को राज्य सरकार को वापस भेजा गया। चूंकि यूसीसी विधेयक में कई -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री कल *खेलो इंडिया डायलॉग* में युवाओं को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से खेलो इंडिया डायलॉग में युवाओं को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में देशभर के युवाओं की भागीदारी होगी और इसमें खेल, युवा नेतृत्व, नागरिक जिम्मेदारी, वॉलंटियरिंग, फिटनेस और राष्ट्र निर्माण को एक साझा मंच पर लाया

जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि यह आयोजन मेरा युवा भारत (एमवाई भारत) द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अवसर पर किया जा रहा है। देशभर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रत्येक जिले के दो कॉलेजों से युवा इसमें भाग लेंगे। प्रधानमंत्री का यह संवाद -शेष पृष्ठ दो पर

असम में बाढ़ से 93 गांव घिरे, धनश्री नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर

गुवाहाटी (हिंस)। असम के कई जगहों पर बाढ़ से हालात सामान्य होने लगे है। इस बीच धनश्री नदी का जलस्तर गोलाघाट जिले के नुमालीगढ़ इलाके में खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। शिवसागर, नगांव, धेमाजी, कार्बी आंग्लांग, जोरहाट और गोलाघाट जिलों में बाढ़ का असर अब भी बना हुआ है। इन जिलों के 11 राजस्व मंडलों के 93 गांवों के 22663 नागरिक अभी भी प्रभावित हैं। प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 25 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार धनश्री -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में वाहन गहरी खाई में गिरा, छह की मौत

पुंछ (हिंस)। जम्मू-कश्मीर में पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में एक वाहन सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गया, जिससे छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार पुंछ से शेंधारा की ओर जा रहा एक वाहन अचानक चालक के नियंत्रण से बाहर हो गया और सड़क के एकतरफ पड़ती खाई में जा गिरा। इस हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

मंदिर के पास कीर्तन कर रहे लोगों को वाहन ने रौंदा, पांच की मौत, एक की हालत गंभीर

सुपौल (हिंस)। बिहार में सुपौल जिले के पिपरा थाना क्षेत्र में मंगलवार देररात सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। हादसा कटैया चौक के पास एनएच-327ई किनारे बजरंगबली मंदिर के समीप हुआ। यहां करीब छह लोग कीर्तन कर रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार वाहन ने इन लोगों को रौंदते हुए करीब 50 मीटर दूर जाकर सड़क किनारे स्थित -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री शाह से की बात बाढ़ में जनहानि पर जताया दुख

नई दिल्ली (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से फोन पर बात की और नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने इस मुश्किल समय में नेपाल के लोगों के साथ भारत की एकजुटता व्यक्त करते हुए हर संभव मानवीय और राहत सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली : लक्ष्मी योजना की शुरुआत, पात्र महिलाओं को सौंपे गए स्वीकृति पत्र, एक सितंबर से खातों में आएगी 2,500 रुपए की राशि

नई दिल्ली (हिंस)। दिल्ली सरकार ने बुधवार को *दिल्ली लक्ष्मी योजना* का शुभारंभ किया। तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के सांसदों, सरकार के मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों ने योजना का औपचारिक शुभारंभ किया। महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण, वित्तीय सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को समर्पित इस महत्वपूर्ण पहल के तहत अब तक निर्धारित पात्रता और सत्यापन प्रक्रिया के बाद 4,190 पात्र लाभार्थियों के स्वीकृति पत्र जारी किए गए हैं। योजना के तहत 1 सितंबर से पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 2,500 रुपए प्रति माह की आर्थिक सहायता डीबीटी के माध्यम से पहुंचाई जाएगी। यह राशि महिलाएं अपनी आवश्यकताओं और परिवार से जुड़े छोटे-बड़े खर्चों के लिए अपनी इच्छा के अनुसार उपयोग कर सकेंगी। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने 65 चयनित लाभार्थी महिलाओं को प्रतीकात्मक रूप से स्वीकृति पत्र प्रदान किए। ये स्वीकृति पत्र दिल्ली लक्ष्मी योजना के शुभारंभ के इस अवसर पर सरकार की ओर से महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और उन्हें सम्मान एवं आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता के प्रतीक बने। दिल्ली लक्ष्मी योजना का उद्देश्य 21 से 60 वर्ष की आयु वर्ग की, परिवार की वरिष्ठ पात्र महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनकी वित्तीय सुरक्षा, आत्मनिर्भरता एवं सशक्तीकरण को मजबूत करना है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र महिला को 2,500 रुपए प्रति माह की वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने का प्रावधान है। केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी -शेष पृष्ठ दो पर

देश को बांटने वाले बयान दे रहे राहुल गांधी : मंत्री शेखावत

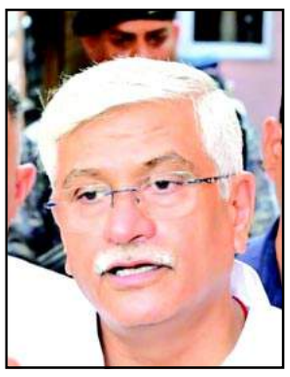

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार देश को बांटने वाले बयान दे रहे हैं। उन्हें भारत की हजारों साल पुरानी संस्कृति, सभ्यतागत चेतना, वेदों, पुराणों और उपनिषदों की कितनी जानकारी है, यह उनके मनुस्मृति पर दिए गए बयान से स्वयं स्पष्ट हो गया है। बुधवार को मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि किसी भी ऐतिहासिक या सांस्कृतिक विषय पर उसके मूल संदर्भ और तत्कालीन परिस्थितियों को समझे बिना टिप्पणी करना या अपने राजनीतिक लाभ के लिए उसे तोड़-मरोड़ कर पेश करना सर्वथा अनुचित और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यतागत चेतना और सांस्कृतिक मान-बिंदुओं के प्रति जन-आस्था को प्रदूषित करने तथा हमारे गौरवशाली इतिहास को नीचा दिखाने के लिए पिछले लगभग 200 वर्षों में कई सुनियोजित प्रयास हुए। अंग्रेजों ने जानबूझकर -शेष पृष्ठ दो पर

भागलपुर में मजदूरों से भरी नाव गंगा नदी में पलटी, छह लापता, 12 ने तैरकर बचाई जान

भागलपुर (हिंस)। भागलपुर जिले के नवगछिया अनुमंडल अंतर्गत खरीक प्रखंड में बुधवार को बड़ा नाव हादसा हो गया। राघोपुर तटबंध के समीप गंगा नदी की तेज धारा में मजदूरों से भरी नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नाव पर सवार 18 मजदूरों में से 12 ने तैरकर अपनी जान बचा ली, जबकि छह मजदूर लापता बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और लापता मजदूरों की तलाश में युद्धस्तर पर खोज और बचाव अभियान शुरू किया। प्रशासनिक अधिकारी भी घटनास्थल पर कैंप कर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि राघोपुर गांव के समीप दो दिन पहले गंगा नदी का तटबंध टूट गया था। इसके बाद इलाके में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया था। बिहार सरकार के ऊर्जा मंत्री बुलो मंडल के आवास समेत आसपास के कई इलाकों में भी बाढ़ का पानी पहुंच गया था। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए तटबंध की मरम्मत, बाढ़ से बचाव और कटाव निरोधी कार्य युद्धस्तर पर चलाया जा रहा था। इसी काम में जुटे मजदूर बुधवार को नाव से -शेष पृष्ठ दो पर

ओवैसी के बयान पर भाजपा का पलटवार कहा, पहनावे को धार्मिक हथियार के रूप में नहीं किया जाना चाहिए इस्तेमाल

नई दिल्ली (हिंस)। उत्तर प्रदेश के स्कूल में हिजाब को लेकर सियासी घमासान छिड़ गया है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को जहां ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) पार्टी के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने असंवैधानिक बताया वहीं, भाजपा ने कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। भारतीय जनता पार्टी ने ओवैसी ने बयान पर पलवार करते हुए कहा कि पहनावे को राजनैतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल नही किया जाना चाहिए। स्कूल में हिजाब पहनने की अनुमति देने की मांग वाली छात्रा की याचिका को इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा खारिज किए जाने के बाद भाजपा नेता शाजिया इल्मी ने इस फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने

कहा कि कुरान शरीफ में हिजाब को अनिवार्य किए जाने का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है और इसे इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा बताना सही नहीं है। शाजिया इल्मी ने कहा कि लोग सांस्कृतिक कारणों -शेष पृष्ठ दो पर

विजयपुरा में झील से एक ही परिवार के छह शव बरामद

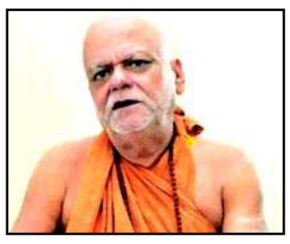

विजयपुर (हिंस)। कर्नाटक के विजयपुरा के आदर्शनगर थाना क्षेत्र स्थित भूतनाल झील से एक ही परिवार के छह लोगों के शव बरामद किए गए। मृतकों में मां और उसके पांच बच्चे शामिल हैं। इनकी पहचान तोरवी शांतिनगर निवासी मल्लिकार्जुन जालगेरी की पत्नी शोभा (35) तथा उनके बच्चों विद्या (15), सुवर्णा (13), टिप्पराय (12), सानिका (10) और विकास (6) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक 24 अगस्त को शोभा और उनके बच्चों के लापता होने की शिकायत विजयपुर ग्रामीण थाने में दर्ज कराई गई थी। मल्लिकार्जुन -शेष पृष्ठ दो पर

जय जगन्नाथ पर विवाद गहराया गोवर्धन मठ के शंकराचार्य ने एनिमेटेड चित्रण पर उठाए सवाल

भुवनेश्वर (हिंस)। भगवान जगन्नाथ पर प्रस्तावित एनिमेटेड फिल्म और सीरियल *जय जगन्नाथ* को लेकर विवाद बढ़ गया है। पुरी स्थित गोवर्धन मठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने भगवान जगन्नाथ के कथित विकृत चित्रण पर कड़ी आपत्ति जताई है। गजपति

महाराजा दिव्यसिंह देव के आवासीय कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शंकराचार्य ने भुवनेश्वर की एली एनिमेशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तैयार की जा रही एनिमेटेड प्रस्तुतियों को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है। इसके बाद मुक्तिमंडप पंडित सभा ने शंकराचार्य के -शेष पृष्ठ दो पर

एमपीएससी पेपर लीक मामले में तीन अधिकारियों समेत 6 गिरफ्तार

मुंबई (हिंस)। महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग (एमपीएससी) के ड्रग इंस्पेक्टर पेपर लीक मामले में क्राइम ब्रांच ने बुधवार को छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में एमपीएससी के तीन अधिकारी, एक कर्मचारी, एक परीक्षार्थी के रिश्तेदार और पेपरलीक मामले का कथित मास्टरमाइंड शामिल है। इस मामले की छानबीन मुंबई क्राइम ब्रांच पुलिस कर रही है। जांच में शामिल पुलिस अधिकारी ने आज बताया कि इस मामले में एमपीएससी के अपर सचिव अभिजीत लेंडवे को भी गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा असिस्टेंट सेल अधिकारी गोपाल मराठे और विश्ववर नकाटे को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। परीक्षार्थी ऋजुजा पाटिल के पिता अमृत पाटिल तथा पेपर लीक के कथित मास्टरमाइंड प्रवीण पाटिल को भी गिरफ्तार किया गया है। वहीं, पेपर लीक का आरोप लगाने वाले गौरव पाटिल की भूमिका भी जांच के दायरे में है। ड्रग इंस्पेक्टर पद की परीक्षा का प्रश्नपत्र 20 मार्च 2026 को कुछ परीक्षार्थियों तक पहुंच गया था। इसके बाद महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग ने परीक्षा प्रक्रिया को रद्द करने का निर्णय लिया। आरोप है कि पेपर लीक के पीछे निजी संबंधों से जुड़ा विवाद भी एक कारण रहा। उल्लेखनीय है कि एमपीएससी ने 22 मार्च 2026 को राज्य के छह संभागीय मुख्यालयों पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग में ड्रग इंस्पेक्टर, ग्रुप-बी पद के लिए ऑफलाइन परीक्षा आयोजित की थी। परीक्षा के बाद 12 जून को परिणाम घोषित किए गए, जिसमें 506 उम्मीदवारों को साक्षात्कार -शेष पृष्ठ दो पर

बॉलीवुड ने दिग्गज फिल्म निर्देशक कुकू कोहली को नम आंखों से अंतिम विदाई दी

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म निर्देशक कुकू कोहली का बुधवार को मुंबई के ओशिवारा श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान उनकी पत्नी और अभिनेत्री अरुणा ईरानी समेत परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे। अंतिम विदाई के दौरान अरुणा ईरानी बेहद भावुक नजर आईं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में -शेष पृष्ठ दो पर

हिजाब की आड़ में संकीर्ण राजनीति नहीं होनी चाहिए : मायावती

लखनऊ (हिंस)। हिजाब विवाद पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि ऐसे मामलों को ज्यादा बड़ा कर कानूनी विवाद बनाने के बजाय स्कूल प्रबंधन और शासन-प्रशासन की मदद से आपस में सुलझा लेना चाहिए। इसकी आड़ में *संकीर्ण राजनीति* नहीं होनी चाहिए। मायावती ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबी पोस्ट में लिखा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सभी जाति और धर्मों के लोगों को समान अधिकार देने वाला संविधान देकर देश को एकता के सूत्र में बांधने और सशक्त भारत के निर्माण की गारंटी सुनिश्चित की है। इसके तहत सभी धर्म के ग्रंथों व उनके धार्मिक रीति-रिवाज व मान्यताओं के आधार पर शांत एवं सुखी जीवन जीने का अधिकार है। इसकी अनदेखी करने व दखल

देने के बजाय सभी को उसकी पवित्रता का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने आगे लिखा कि महिलाओं की गरिमा, सम्मान और पर्दे जैसे विषयों -शेष पृष्ठ दो पर

रक्षाबंधन पर लगेगा खंडग्रास चंद्र ग्रहण, भारत में नहीं देगा दिखाई, सूतक भी मान्य नहीं

भोपाल (हिंस)। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर शुक्रवार, 28 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा। इसी दिन खंडग्रास चंद्र ग्रहण भी लगेगा। हालांकि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। ज्योतिषाचार्य के अनुसार, भारत में ग्रहण के दृश्य नहीं होने के कारण यहां इसके सूतक नियम मान्य नहीं होंगे। भोपाल स्थित ज्योतिष मठ संस्थान के ज्योतिषाचार्य पंडित विनोद गौतम ने बुधवार को बताया कि 28 अगस्त 2026 को रक्षाबंधन के दिन खंडग्रास चंद्र ग्रहण लगेगा। यह ग्रहण

यूरोप, अफ्रीका, अमेरिका के अलावा हिंद महासागर, प्रशांत महासागर और अटलांटिक महासागर के कुछ हिस्सों में दिखाई देगा। पंडित विनोद गौतम के अनुसार, भारतीय मानक समय (आईएसटी) -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

एसबीएन के खिलाफ कार्रवाई तेज, असम में एक और गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम में पाकिस्तान स्थित शाहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन) के खिलाफ कार्रवाई जारी रखते हुए स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने हैलाकांदी जिला पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में बुधवार तड़के एक और कथित ऑपरेटिव को गिरफ्तार किया। एसटीएफ थाना केस संख्या 06/2026 की जांच के क्रम में रामनाथपुर थाना क्षेत्र से 21 वर्षीय फजल इस्लाम बरभुइयां को पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, वह इस मामले में गिरफ्तारी से बच रहा था। अभियान के दौरान उसके कब्जे से आपत्तिजनक सामग्री और दस्तावेज बरामद कर जब्त किए गए। इस गिरफ्तारी के साथ एसबीएन मामले में गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या चार हो गई है। इससे पहले धुबड़ी, चिरांग और बरपेटा जिलों से एसबीएन के कथित ऑपरेटिव गिरफ्तार किए गए थे। एसटीएफ के अनुसार, यह कार्रवाई चरमपंथी और राष्ट्रविरोधी नेटवर्क तथा उनके कथित ऑपरेटिव के खिलाफ चल रही जांच और कार्रवाई का हिस्सा है।

प्रवासी राजस्थानी बदलते राजस्थान में करें ज्यादा से ज्यादा निवेश : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए राज्य सरकार आधारभूत ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि पानी, बिजली, सड़क सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं, जिससे प्रदेश में निवेशकों के लिए आवश्यक सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान फाउंडेशन के आठ चैप्टर्स के प्रतिनिधियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार उद्योग एवं निवेश के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और प्रक्रियाओं को सरल बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से बदलते राजस्थान में ज्यादा से ज्यादा निवेश करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी प्रदेश की मिट्टी की खुशबू पूरी दुनिया में फैला रहे हैं और अपनी संस्कृति, परंपरा एवं ऐतिहासिक गौरव को भी प्रतिष्ठित कर रहे हैं। प्रवासी राजस्थानियों ने अपनी मातृभूमि के प्रति प्रेम और योगदान की भावना को *कर्मभूमि से मातृभूमि* अभियान में दिखाया है और पूरे उत्साह, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपनी भागीदारी भी निभाई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विकास भी, विरासत भी के मूल मंत्र के अनुरूप हमारी सरकार ने शेखावाटी की 662 ऐतिहासिक हवेलियों को संरक्षण के लिए भी चिन्हित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश से जोड़ने और उनके साथ निरंतर संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्थान फाउंडेशन चैप्टर्स की बैठकें समय-समय पर आयोजित की जाएं, ताकि प्रवासी राजस्थानियों के सुझावों एवं अनुभवों का लाभ राज्य को मिल सके। साथ ही, राजस्थान फाउंडेशन के युवा एवं महिला विंग का शीघ्र संचालन भी सुनिश्चित हो। उल्लेखनीय है कि राजस्थान फाउंडेशन के देश-विदेश में कुल 40 चैप्टर्स हैं। इनमें से प्रथम चरण में आठ चैप्टर्स अहमदाबाद, दिल्ली, दोहा, पुणे, सूरत, म्यूनिक, कुवैत और मस्कट के प्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री ने वीसी के माध्यम से संवाद किया। मुख्यमंत्री द्वारा प्रत्येक माह सभी चैप्टर्स से निवेश संबंधी प्रयासों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामाजिक गतिविधियों की प्रगति रिपोर्ट ली जाती है। बैठक के दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विजय गुप्ता ने वित्त मंत्री जयंत से की शिष्टाचार भेंट

गुवाहाटी (हिंस)। मध्य गुवाहाटी के विधायक विजय कुमार गुप्ता ने बुधवार को दिसपुर स्थित असम सरकार के वित्त एवं वन मंत्री जयंत मल्लबरुवा के सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच क्षेत्र के समग्र विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं और राज्य से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर सौहार्दपूर्ण माहौल में विचार-विमर्श हुआ। विधायक गुप्ता ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि बैठक में मध्य गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों और जनता से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि असम के विकास की गति को और तेज करने, आम लोगों की उम्मीदों को पूरा करने तथा राज्य को मजबूत, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार द्वारा उठाए जा रहे विभिन्न कदमों पर विचार-विमर्श किया गया। गुप्ता ने मंत्री जयंत मल्लबरुवा के अनुभव, जिम्मेदारी और दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व से असम के विकास को मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास और जनता के कल्याण के लिए आने वाले दिनों में भी सभी को मिलकर काम करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने इस मुलाकात को सौहार्दपूर्ण और फलदायी बताते हुए कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर सहयोग और समन्वय आवश्यक है।

असम में बाढ़ से 93 गांव घिरे, मृतकों की संख्या पहुंची 108

धनश्री नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर

गुवाहाटी (हिंस)। असम के कई जगहों पर बाढ़ से हालात सामान्य होने लगे है। इस बीच धनश्री नदी का जलस्तर गोलाघाट जिले के नुमालीगढ़ इलाके में खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। शिवसागर, नगांव, धेमाजी, कार्बी आंग्लांग, जोरहाट और गोलाघाट जिलों में बाढ़ का असर अब भी बना हुआ है। इन जिलों के 11 राजस्व मंडलों के 93 गांवों के 22663 नागरिक अभी भी प्रभावित हैं। प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 25 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार धनश्री नदी को छोड़कर सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रहीं है। इस बार की बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 108 तक पहुंच गई है। वर्तमान समय में राज्य की कुल 4331.85 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। इस समय चार राहत शिविर एवं तीन राहत वितरण केंद्र क्रियान्वित हैं। राहत शिविरों में 122 लोग आश्रय लिए हुए हैं, जबकि राहत वितरण केंद्रों पर 2558 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। इस दौरान गोलाघाट जिला में दो व्यक्तियों की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई। इसकी के साथ बाढ़ में मरने वालों की संख्या 108 हो गई है। राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित इलाकों में बड़े पैमाने पर हुए सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढांचे के नुकसान का आकलन करवा रही है।

डिब्रूगढ़ में 60 दिवसीय एचआईवी जागरूकता अभियान शुरू

डिब्रूगढ़ (हिंस)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अशोक सिंघल ने बुधवार को डिब्रूगढ़ में 60 दिवसीय राज्यव्यापी एचआईवी जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। अभियान के तहत 35 जिलों के करीब 3,900 गांवों और 500 बस्तियों को कवर किया जाएगा। जागरूकता कार्यक्रम 500 स्कूलों और 200 कॉलेजों में आयोजित किए जाएंगे, जबकि सरकारी अस्पतालों में 100 विशेष शिविरों के जरिए एचआईवी और यौन संक्रमित रोगों की निःशुल्क जांच व परामर्श की सुविधा दी जाएगी।

असम के ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियों के नियमन पर जीबीएसआईपीआरडी की कार्यशाला

गुवाहाटी (हिंस)। गोलाप बोरबोरा स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पंचायत एंड रूरल डेवलपमेंट जीबीएसआईपीआरडी) ने असम के ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियों के नियमन को लेकर दो दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री अतुल बोरा ने कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए तेजी से हो रहे शहरीकरण और बदलते भूमि उपयोग के मद्देनजर ग्रामीण क्षेत्रों के योजनाबद्ध एवं वैज्ञानिक विकास पर जोर दिया। उन्होंने सुरक्षित, टिकाऊ और जलवायु-अनुकूल ग्रामीण विकास के लिए विभिन्न विभागों और एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता बताई। कार्यशाला में राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग और अन्य लोक निर्माण विभाग की सड़कों के किनारे निर्माण को लेकर प्रस्तावित नियामक ढांचे पर चर्चा हुई। इसमें सड़क सुरक्षा, भविष्य में सड़क चौड़ीकरण, जल निकासी, पैदल यात्री सुविधा और पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों पर विचार किया गया। कार्यशाला में वरिष्ठ अधिकारी, इंजीनियर, योजनाकार, कानूनी विशेषज्ञ और विभिन्न विभागों एवं पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए। समापन सत्र में प्रमुख सुझावों और सिफारिशों को प्रस्तावित ढांचे में आगे शामिल करने के लिए दर्ज किया गया।

पृष्ठ एक का शेष

असम में बाढ़ से ...

नदी को छोड़कर सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रहीं है। इस बार की बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 108 तक पहुंच गई है। वर्तमान समय में राज्य की कुल 4331.85 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। इस समय चार राहत शिविर एवं तीन राहत वितरण केंद्र क्रियान्वित हैं। राहत शिविरों में 122 लोग आश्रय लिए हुए हैं, जबकि राहत वितरण केंद्रों पर 2558 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। इस दौरान गोलाघाट जिला में दो व्यक्तियों की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई। इसकी के साथ बाढ़ में मरने वालों की संख्या 108 हो गई है। राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित इलाकों में बड़े पैमाने पर हुए सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढांचे के नुकसान का आकलन करवा रही है। प्रभावितों को आर्थिक एवं अन्य सामग्री मुहैया कराई जा रही है।

प्रधानमंत्री कल खेलो ...

फिट, अनुशासित और खेल भावना से युक्त राष्ट्र निर्माण की उनकी दृष्टि के अनुरूप है, जिसमें युवाओं की आकांक्षाओं को राष्ट्रीय विकास एजेंडा के केंद्र में रखा गया है। खेलो इंडिया डायलॉग के बाद स्थानीय स्तर पर युवाओं, स्वयंसेवकों, खिलाड़ियों और जनप्रतिनिधियों के बीच संवाद होगा। इसमें युवाओं को प्रमुख भारतीय खिलाड़ियों और पदक विजेताओं से सीधे बातचीत का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण युवा संवाद होगा, जिसमें प्रतिभागी अपने विचार और आकांक्षाएं साझा करेंगे। यह संवाद पांच प्रमुख विषयों खेल पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर सुविधाओं और कोचिंग से मजबूत करना, 2036 ओलंपिक के लिए प्रतिभा पहचान और दीर्घकालिक एथलीट विकास, शासन मंचों और वॉलंटियरिंग से युवा नेतृत्व तैयार करना, नागरिक जिम्मेदारी और भविष्य के कौशल से विकसित भारत के लिए युवाओं को सशक्त बनाना तथा खेल और साथियों के नेटवर्क से नशा मुक्त युवा आंदोलन को मजबूत करने पर केंद्रित रहेगा।

मध्य प्रदेश में समान ...

प्रावधानों का सीधा संबंध केंद्रीय कानूनों से है, इसलिए इसे राष्ट्रपति की स्वीकृति अनिवार्य है। केंद्रीय गृह विभाग भी इसके सांविधानिक और विधिक पहलुओं की समीक्षा करेगा। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलते ही विधि एवं विधायी विभाग इसे राजपत्र में अधिसूचित करेगा और इसके प्रावधान प्रदेश में प्रभावी हो जाएंगे। संसदीय कार्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, यूसीसी विधेयक में कई ऐसे प्रावधान हैं, जिनका संबंध केंद्रीय कानूनों से है। इसी वजह से इसे राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए भेजना जरूरी है। विधेयक केंद्र के पास पहुंचने के बाद केंद्रीय गृह विभाग से भी इस पर कानूनी अभिमत लिया जाएगा। यदि विधेयक संवैधानिक और कानूनी कसौटी पर उपयुक्त पाया जाता है, तो राष्ट्रपति की मंजूरी मिल सकती है। प्रस्तावित समान नागरिक संहिता के अंतर्गत राज्य में विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन संबंधों को लेकर एक समान कानूनी व्यवस्था लागू करने का प्रावधान है। विधेयक प्रभावी होते ही बहुविवाह और निकाह हलाला पर पूरी तरह से रोक लग जाएगी। साथ ही, तलाक के मामलों में निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन अनिवार्य होगा। विधेयक में लिव-इन संबंधों को भी नियमों के दायरे में लाया गया है, जिसके तहत ऐसे संबंधों का पंजीयन कराना आवश्यक होगा। लिव-इन संबंधों से जन्म लेने वाली संतान को कानूनी अधिकार देने के साथ-साथ संपत्ति से जुड़े अधिकार भी प्रदान किए गए हैं। उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जहां समान नागरिक संहिता लागू हो चुकी है। गुजरात विधानसभा भी अपना यूसीसी विधेयक पारित करके केंद्र की अनुमति के लिए भेज चुकी है और असम सहित कई अन्य राज्य भी इस दिशा में निरंतर कदम बढ़ा रहे हैं। मध्य प्रदेश के सामान्य प्रशासन विभाग ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से इस विधेयक को लेकर सुझाव देने वाले करीब 9.5 लाख लोगों के रिकॉर्ड को पूरी तरह सुरक्षित रखवा दिया है।

दिल्ली लक्ष्मी योजना ...

की गारंटी का अर्थ काम पूरा होने की गारंटी है और दिल्ली लक्ष्मी योजना का शुभारंभ इसी संकल्प को पूरा करने का प्रमाण है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार देश की माताओं और बहनों के कल्याण एवं सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। वहीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार महिलाओं को आवश्यक सुविधाएं और आर्थिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली लक्ष्मी योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने, उनके आत्मसम्मान को बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने मुख्यमंत्री को इस महत्वपूर्ण संकल्प को पूरा करने के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली की सभी बहनों और बेटियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर शुरू की गई यह योजना दिल्ली की महिलाओं के लिए एक विशेष सौगात है। गुरु नानक देव जी के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जिस नारी ने महान राजाओं और महापुरुषों को जन्म दिया, उसे बुरा कैसे कहा जा सकता है। देश की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है और विकसित दिल्ली एवं विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की बराबर की भागीदारी होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र की शक्ति की विभिन्न धाराओं का विजन दिया है, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग, कृषि, फूड प्रोसेसिंग, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, गतिशक्ति, रक्षा शक्ति, ग्रीन एवं ब्लू इकोनॉमी तथा सॉफ्ट पावर जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इन सभी क्षेत्रों में नारी शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। नारी शक्ति से ही राष्ट्र शक्ति का निर्माण संभव है। उपराज्यपाल ने कहा कि भारतीय परिवार व्यवस्था में महिलाओं को *गृह लक्ष्मी* कहा जाता है। दिल्ली लक्ष्मी योजना इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए महिलाओं के सम्मान, सशक्तीकरण और वित्तीय स्वतंत्रता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने योजना में डिजिटल ट्रांसफर की व्यवस्था का स्वागत करते हुए कहा कि इससे लाभार्थी महिलाओं तक सहायता पहुंचाने में पारदर्शिता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की बहनों को हर महीने 2,500 रुपए की आर्थिक सहायता देने का संकल्प सरकार ने लिया था और आज वह संकल्प धरातल पर उतर रहा है। 1 अगस्त से योजना के लिए पंजीकरण शुरू हुआ था और अब तक 9.22 लाख से अधिक महिलाओं ने पंजीकरण कराया है। यह योजना केवल आर्थिक सहायता देने तक सीमित नहीं है, बल्कि दिल्ली की महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा, आत्मविश्वास और अपने फैसले खुद लेने की ताकत देने का माध्यम है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि पात्र महिलाओं को उनका लाभ पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से मिले।

देश को बांटने वाले...

यह काम किया। स्वतंत्रता के बाद जब हमारे पास अवसर था कि हम अपने इतिहास और सांस्कृतिक मान-बिंदुओं को सही करते, तब राहुल गांधी के पूर्वजों के शासनकाल में इसे सुधारने के बजाय और अधिक गति से हमारी सभ्यतागत चेतना को दूषित करने का कार्य किया गया। आज भी उसी मानसिकता के साथ देश को बांटने वाले बयान दिए जा रहे हैं। शेखावत ने कहा कि भारत वह समाज और सभ्यता है, जिसने मातृशक्ति को इंस्टीट्यूशनलाइज्ड रिस्पेक्ट दिया है। जहां ज्ञान के लिए मां सरस्वती, शक्ति के लिए मां दुर्गा और धन-समृद्धि के लिए मां महालक्ष्मी की पूजा की जाती है। जहां गार्गी, मैत्रेयी और कात्यायनी जैसी महान विदुषी स्त्रियां हुई हों, उस महान समाज और व्यवस्था के विषय् में इस प्रकार की अनर्गल टिप्पणी करना न केवल अशोभनीय व निंदनीय है, बल्कि यह उनके ज्ञान के उथलेपन को भी उजागर करता है। जयपुर में नकली नोटों की बरामदगी और कांग्रेस नेता के पुत्र का नाम आने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि देश में और देश के बाहर बैठी भारतविरोधी ताकतें, जिन्हें भारत की अर्थव्यवस्था की प्रगति और इसकी तेज गति पच नहीं रही है, वे इस तरह के षड्यंत्र और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं। हमारी सरकार पूर्ण सजगता के साथ ऐसी हर गतिविधि, अपराध और प्रयास को रोकने के लिए तत्परता से काम कर रही है। शेखावत ने कहा कि जयपुर में जो नकली नोटों की खेप पकड़ी गई है, उसकी पुलिस द्वारा शुरुआत से अंत तक गहन जांच होनी चाहिए। इसका मुख्य स्रोत क्या है? ये नोट कहां प्रिंट हुए और इनका सप्लायर कौन है? ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को पूरी तरह रोका जा सके। शेखावत ने कहा कि चुनाव के इस संवेदनशील माहौल में यदि कांग्रेस पार्टी के किसी जिम्मेदार कार्यकर्ता या राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े परिवार के बच्चों के पास से इतनी बड़ी खेप बरामद होती है तो यह और भी अधिक चिंताजनक विषय है। शेखावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत से जोधपुर और राजस्थान के लगभग सभी निकायों में विजय हासिल करने वाली है। डबल इंजन सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में जिस तरह से काम किया है, उसे देखते हुए मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूं कि पार्टी निकाय चुनाव में एक बार फिर नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए अपना परचम फहराएगी। निकाय चुनाव में दावेदारों की अधिक संख्या पर उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय के चुनाव में निश्चित रूप से दावेदार अधिक होते हैं। दावेदारों की संख्या अधिक होना लोकतंत्र के प्रति और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति लोगों की आस्था को दर्शाता है। साथ ही, पार्टी में क्षमतावान कार्यकर्ताओं की संख्या जिस तरह से बढ़ रही है, इसे बहुत सकारात्मक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। युवाओं को टिकट देने को लेकर पूछे सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नगर निकाय के चुनाव में हमेशा ही युवाओं को अधिक अवसर मिलता है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष 46 साल के हैं। ऐसे में मुझे लगता है कि भाजपा में युवाओं को अधिक मौका देने को लेकर यह प्रश्न अब बेईमानी हो गया है।

विजयपुरा में झील से ...

जालगेरी ने शिकायत में बताया था कि पारिवारिक मामले को लेकर शोभा बच्चों को साथ लेकर घर से चली गई थीं। पुलिस लापता मां और बच्चों की तलाश कर रही थी। इसी दौरान भूतनाल झील से सभी के शव बरामद हुए। पुलिस ने शव बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए विजयपुर के बीएलडीई अस्पताल भेज दिया। पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण निंबरगी ने बताया कि ये लोग झील तक कैसे पहुंचे, घटना किस परिस्थिति में हुई और मौत का वास्तविक कारण क्या है, इसकी जांच की जा रही है।

कहा, पहनावे को धार्मिक ...

से हिजाब पहन सकते हैं, लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि हिजाब इस्लाम का अनिवार्य या आवश्यक धार्मिक अंग नहीं है। उन्होंने कहा कि लोगों को ऐसे दावे करने से पहले इस्लाम को गंभीरता से समझना और पढ़ना चाहिए। उन्होंने बुर्के को लेकर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि लड़कियों को यह मानने के लिए तैयार नहीं किया जाना चाहिए कि बुर्का उनके लिए आवश्यक है। भाजपा नेता शाजिया इल्मी ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि युवा मुस्लिम लड़कियों के पहनावे को एक धार्मिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि काश ओवैसी जी ने कुरान शरीफ को पढ़ा होता। उल्लेखनीय है कि असदुद्दीन ओवैसी ने हिजाब के मामले पर नाराजगी जताते हुए इसे असंवैधानिक बताया। हाईकोर्ट ने स्कूलों में हिजाब पहनने के की मांग को मंगलवार को खारिज कर दिया था। ओवैसी ने इसे इस्लाम पर हमला करार देते हुए इसे संविधान के खिलाफ भी बताया।

भागलपुर में मजदूरों से ...

नदी में रेत की बोरियां ले जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रेत की बोरियां लेकर नाव नदी के बीच पहुंची थी। इसी दौरान गंगा की तेज धारा के दबाव के कारण नाव का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई। नाव पलटते ही मजदूर नदी में गिर गए। हादसे के बाद किनारे पर मौजूद ग्रामीणों ने शोर मचाया और बचाव कार्य में जुट गए। ग्रामीणों की मदद से 12 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि छह मजदूरों का अब तक पता नहीं चल सका है। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय सहित जिला प्रशासन के कई अधिकारी और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे। एसडीआरएफ की टीम नदी में लापता मजदूरों की तलाश कर रही है। तेज बहाव के कारण रेस्क्यू टीम को भी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। हादसे के बाद लापता मजदूरों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन नदी किनारे पहुंचकर अपनों के सुरक्षित मिलने की उम्मीद में टकटकी लगाए बैठे हैं। राघोपुर के सरपंच प्रमोद मंडल ने आशंका जताई कि नाव पर अधिक वजन होने या पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं होने के कारण हादसा हुआ हो सकता है। हालांकि, हादसे के वास्तविक कारणों की पुष्टि प्रशासनिक जांच के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम लापता छह मजदूरों की तलाश में जुटी हुई है। प्रशासन की ओर से राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है।

गोवर्धन मठ के शंकराचार्य ...

निर्णय से गजपति महाराजा को अवगत कराया। शंकराचार्य ने कहा कि शास्त्रों में वर्णित भगवान जगन्नाथ के *दारु ब्रह्म* स्वरूप को विकृत तरीके से प्रस्तुत करना धार्मिक परंपराओं के प्रति गंभीर आपत्ति का विषय है। उन्होंने कहा कि सनातन धार्मिक परंपराओं में देवी-देवताओं के स्वरूप और उनकी लीलाओं को असत्यापित या विकृत रूप में प्रस्तुत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने पंचकृत्य—सृष्टि, स्थिति, संहार, तिरोधान और अनुग्रह को दैवी सिद्धांतों का मूल बताते हुए कहा कि इनसे जुड़ी धार्मिक परंपराओं के प्रति असम्मानजनक प्रस्तुति उचित नहीं है। शंकराचार्य ने भगवान जगन्नाथ और अन्य देवी-देवताओं के कथित विकृत स्वरूपों तथा उनकी दिव्य लीलाओं को दर्शाने वाली असत्यापित एनिमेटेड सामग्री के प्रसार पर रोक लगाने की मांग की है। वहीं, मुक्तिमंडप पंडित सभा ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार करने वाले सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णय पर पुनर्विचार की मांग भी की है। इस घटनाक्रम के बाद प्रस्तावित फिल्म और सीरियल को लेकर धार्मिक, सांस्कृतिक और कानूनी स्तर पर बहस तेज हो गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल ...

प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से बात कर नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में भारत की जनता नेपाल के अपने भाई-बहनों के साथ मजबूती से खड़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत नेपाल को हर संभव मानवीय सहायता देने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि बचाव और राहत कार्यों के लिए भारतीय दल नेपाल के संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही हैं।

एमपीएससी पेपर लीक...

के लिए पात्र घोषित किया गया। इसके बाद 1 से 22 जुलाई के बीच 488 उम्मीदवारों के साक्षात्कार आयोजित किए गए। साक्षात्कार प्रक्रिया पूरी होने के बाद पात्र और अपात्र उम्मीदवारों की अस्थायी मेरिट सूची भी जारी की गई थी। फाइनल रिजल्ट का इंतजार कर रहे उम्मीदवारों के बीच प्रश्नपत्र लीक होने के आरोप सामने आने के बाद पूरी चयन प्रक्रिया पर सवाल उठ गए है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एमपीएससी ने परीक्षा रद्द कर दी। अब दोबारा परीक्षा की तारीख जल्द घोषित किए जाने की संभावना है। इस मामले को लेकर विधायक रोहित पवार और विभिन्न छात्र संगठनों ने लगातार शिकायत और फॉलोअप के बाद जांच मुंबई पुलिस को सौंपी गई। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि प्रश्नपत्र किस स्तर पर लीक हुआ और इसके पीछे मुख्य साजिशकर्ता कौन है। परीक्षा रद्द होने से उम्मीदवारों को फिलहाल राहत मिली है लेकिन वे मामले की निष्पक्ष और विस्तृत जांच की मांग कर रहे हैं। उम्मीदवारों का कहना है कि पेपर लीक के पूरे नेटवर्क का खुलासा होने के बाद ही परीक्षा प्रक्रिया में उनका विश्वास बहाल हो सकेगा।

बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म...

परिजन उन्हें संभालते दिखाई दे रहे हैं। फिल्म निर्देशक कुकू कोहली का 25 अगस्त को 77 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। दिल का दौरा पड़ने से हुई उनकी मौत से फिल्म जगत में शोक की लहर है। कुकू कोहली की अंतिम यात्रा अंधेरी पश्चिम स्थित उनके ग्रीन एकर्स आवास से शुरू हुई। ओशिवारा श्मशान घाट पर परिवार और करीबी लोगों ने उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी। सामने आए एक वीडियो में अरुणा ईरानी सफेद कपड़ों में नजर आ रही हैं और उनके चेहरे पर पति को खोने का गहरा दर्द साफ दिखाई दे रहा है। एक अन्य वीडियो में वह फूट-फूटकर रोती नजर आईं। इन भावुक दृश्यों ने उनके प्रशंसकों और फिल्म जगत से जुड़े लोगों को भी भावुक कर दिया। कुकू कोहली को अंतिम विदाई देने बॉलीवुड की कई हस्तियां भी पहुंचीं। विक्की कौशल, कैटरीना कैफ, अशोक पंडित और रोहित शेट्टी समेत कई कलाकारों और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने दिवंगत निर्देशक को श्रद्धांजलि दी। कुकू कोहली ने अपने करियर में कई चर्चित फिल्मों का निर्देशन किया था। खास तौर पर *फूल और कांटे* के जरिए उन्होंने अजय देवगन को बतौर अभिनेता लॉन्च किया था। *सुहाग, हकीकत* और *ये दिल आशिकाना* जैसी फिल्मों के लिए भी उन्हें याद किया जाता है। उनके निधन से हिंदी सिनेमा ने एक अनुभवी फिल्मकार खो दिया है।

रक्षाबंधन पर लगेगा ...

के मुताबिक चंद्र ग्रहण का प्रारंभ सुबह 8-04 बजे होगा और इसका मोक्ष 11-22 बजे होगा। उन्होंने बताया कि ज्योतिषीय दृष्टि से ग्रहण का प्रभाव विशेष रूप से शतभिषा नक्षत्र और कुंभ राशि पर माना जा रहा है। पंडित गौतम ने ग्रहणमाला में एक पखवाड़े के भीतर दो ग्रहणों को ज्योतिषीय दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे पहले 12 अगस्त को सूर्य ग्रहण हुआ था और अब 28 अगस्त को चंद्र ग्रहण होगा। उनके अनुसार, इस स्थिति को भूकंपीय ग्रहण माना जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि ग्रहण के दौरान चंद्रमा की ऊर्जा में कमी और ग्रहों की वर्तमान स्थिति के कारण समुद्री क्षेत्रों में भूकंप की स्थिति बन सकती है। ज्योतिष मठ संस्थान के अनुसंधान के आधार पर उन्होंने पूर्णिमा के आसपास वैश्विक स्तर पर प्राकृतिक प्रकोप और भूकंप की आशंका जताई है। ज्योतिषाचार्य के अनुसार, चंद्र ग्रहण का मुख्य प्रभाव कुंभ राशि पर माना जा रहा है। इसके अलावा कर्क, सिंह और कन्या राशि पर सीधा प्रभाव तथा मकर, कुंभ और मीन राशि पर विशेष प्रभाव रहने की बात कही गई है। उन्होंने इन राशि के जातकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। पंडित गौतम ने कहा कि ग्रहण भारत में दिखाई न देने के बावजूद ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इसका राशियों पर प्रभाव माना जाता है।

हिजाब की आड़ ...

को संवेदनशीलता से देखा जाना चाहिए। उनके मुताबिक स्कूल यूनिफॉर्म, चादर या हिजाब जैसे मुद्दों को ज्यादा बड़ा बनाकर कोर्ट-कचहरी में विवाद का कानूनी मुद्दा बनाने के बजाय, स्कूल प्रबंधन और शासन-प्रशासन की आपसी समझ व सूझबूझ से सुलझा लेना चाहिये, ताकि किसी को भी इसकी आड़ में संकीर्ण राजनीति करने का मौका ना मिल पाये। मायावती ने यह भी कहा कि बसपा हर समाज की सुरक्षा और सम्मान की गारंटी देने वाली अंबेडकरवादी पार्टी है, जिसका मानना है कि किसी भी धर्म, धार्मिक ग्रंथ व धार्मिक प्रचलन, मान्यताओं के संवेदनशील मामलों पर सभी लोग टीका-टिप्पणी करने से बचें तो यह देश व जनहित में होगा। साथ ही उन्होंने बदायूं में अंबेडकर की प्रतिमा को लेकर चल रहे विवाद को भी जल्द सुलझाने की मांग की।

मंदिर के पास कीर्तन ...

झएक दुकान में जा घुसा। हादसे में तिलाई दास (65), राजू दास (50), सुरेंद्र यादव (45), भुवनेश्वरी यादव उर्फ कोयली यादव और कृष्ण मोहन साह की मौत हो गई। मृतक कटैया पंचायत के रहने वाले थे। वहीं रामचंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हैं। तिलाई दास और राजू दास कटैया पंचायत के वार्ड 12, सुरेंद्र यादव वार्ड 15, भुवनेश्वरी यादव उर्फ कोयली यादव वार्ड 11 और कृष्ण मोहन साह वार्ड 13 के निवासी थे। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के घरों में कोहराम मच गया। सूचना पाकर स्थानीय पुलिस पहुंची और कहर बरपाने वाले वाहन को कब्जे में लिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। मंगलवार देररात डीएम सावन कुमार ने बताया कि एसडीएम को घटनास्थल पर भेजा गया है और पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

पूर्वोत्तर भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के लिए एक रणनीतिक प्रवेश द्वार के रूप में उभर सकता है : एसआईए-इंडिया

गुवाहाटी। गुवाहाटी में आयोजित पूर्वोत्तर भारत अंतरिक्ष कार्यशाला 2026 में विशेषज्ञों और उद्योग जगत के नेताओं ने कहा कि पूर्वोत्तर अपनी रणनीतिक स्थिति, अद्वितीय भूगोल और संस्थागत क्षमताओं का लाभ उठाकर भारत की उभरती अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में कहीं अधिक बड़ी भूमिका निभा सकता है। दो दिवसीय कार्यशाला, जिसका शीर्षक *अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना : वैश्विक पहुंच के लिए क्षेत्रीय परिवर्तन* है, का आयोजन स्पेस इंडस्ट्री एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसआईए-इंडिया) द्वारा नॉर्थ ईस्टर्न स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एनईएसएसी) के साथ साझेदारी में किया जा रहा है। कार्यशाला के पहले दिन इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया कि यह क्षेत्र अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपयोगकर्ता होने से आगे बढ़कर अंतरिक्ष-सक्षम कनेक्टिविटी, आपदा प्रबंधन, पृथ्वी अवलोकन, भू-स्थानिक खुफिया जानकारी, विनिर्माण, नवाचार और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में क्षमताएं कैसे विकसित कर सकता है। एसआईए-इंडिया के अध्यक्ष डॉ. सुब्बा राव पावुलुरी ने कहा कि एसोसिएशन पहली बार अपने राष्ट्रीय अंतरिक्ष-उद्योग संवाद को नई दिल्ली से बाहर ले जाकर पूर्वोत्तर में ले जा रहा है। पावलुरी ने कहा कि यह सिर्फ स्थान परिवर्तन से कहीं अधिक है, यह दृष्टिकोण में परिवर्तन है, उन्होंने कहा कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था तेजी से विकेंद्रीकृत, निजी क्षेत्र द्वारा संचालित और अनुप्रयोगों पर केंद्रित होती जा रही है। चर्चाओं में भारत की नई अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में पूर्वोत्तर की भागीदारी के लिए एक साझा विजन 2030 विकसित करने की संभावना का भी पता लगाया गया, जिसमें असम इस क्षेत्र के लिए एक संभावित आर्थिक और संस्थागत केंद्र के रूप में उभर रहा है। उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) के सचिव सतिंदर कुमार भल्ला ने कहा कि ध्यान 2030 तक क्षेत्र के विकास से आगे बढ़कर एक ऐसे दृष्टिकोण के निर्माण पर केंद्रित होना चाहिए जो 2047 तक भारत की व्यापक यात्रा में योगदान दे। प्रतिभागियों ने क्षेत्रीय योजना और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे में उपग्रह संचार, पृथ्वी अवलोकन, भू-स्थानिक खुफिया जानकारी और अंतरिक्ष से प्राप्त आंकड़ों को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अंतरिक्ष से प्राप्त आंकड़ों को नागरिकों, अधिकारियों और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के लिए समय पर और उपयोगी जानकारी में परिवर्तित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। असम के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सचिव पल्लव गोपाल झा ने कहा कि ध्यान केवल प्रक्षेपण किए गए उपग्रहों की संख्या पर नहीं होना चाहिए, बल्कि इस बात पर होना चाहिए कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कितनी प्रभावी ढंग से डेटा और वास्तविक समय की जानकारी को जमीन पर कार्रवाई में बदल सकती है। कार्यशाला में स्टार्टअप्स, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और स्थानीय उद्योगों के लिए अंतरिक्ष और सेमीकंडक्टर विनिर्माण में भाग लेने के अवसरों पर भी प्रकाश डाला गया। प्रतिभागियों ने क्षेत्र के भीतर इन क्षमताओं के निर्माण के लिए मजबूत आपूर्ति-श्रृंखला संबंधों, बुनियादी ढांचे, कौशल, निवेश और सहायक नीतिगत ढांचों की मांग की। एनईएसएसी के निदेशक डॉ. एसपी अग्रवाल ने कहा कि पूर्वोत्तर की रणनीतिक स्थिति और प्राकृतिक महत्व इसे भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में योगदान देने की काफी क्षमता प्रदान करते हैं। अग्रवाल ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत के भौगोलिक क्षेत्रफल का केवल लगभग 8 प्रतिशत हिस्सा हो सकता है, लेकिन इसका रणनीतिक और प्राकृतिक महत्व कहीं अधिक है, उन्होंने इस क्षेत्र को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपभोक्ता से अंतरिक्ष-आधारित समाधानों के निर्माता में बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया। क्षेत्र की दक्षिणपूर्व एशिया से निकटता और व्यापक क्षेत्र के लिए भारत के प्रवेश द्वार के रूप में इसकी स्थिति स्थानीय स्तर पर विकसित अंतरिक्ष समाधानों को पड़ोसी बाजारों से जुड़ने के अवसर प्रदान कर सकती है, प्रतिभागियों ने कहा। पूर्वोत्तर का चुनौतीपूर्ण भूभाग और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति इसकी संवेदनशीलता, कनेक्टिविटी, आपदा से निपटने की क्षमता, पृथ्वी अवलोकन, भू-स्थानिक खुफिया जानकारी और सीमा जागरूकता से संबंधित समाधानों के लिए इसे एक परीक्षण स्थल बना सकती है। इस क्षेत्र में विकसित और परीक्षण किए जाने के बाद, ऐसी प्रौद्योगिकियों का उपयोग भारत और व्यापक इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अन्य जगहों पर भी किया जा सकता है। एसआईए-इंडिया के महानिदेशक अनिल प्रकाश ने कहा कि स्टार्टअप, नवाचार और एक मजबूत प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करने के लिए इस क्षेत्र को पर्याप्त पैमाने पर विकास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल इस क्षेत्र में समाधान लाना ही नहीं है, बल्कि पूर्वोत्तर की प्रतिभा और उद्यमों को उन समाधानों को बनाने, विकसित करने और दुनिया के बाकी हिस्सों तक ले जाने में सक्षम बनाना भी है।

जेएसयू ने ग्रेड-4थ भर्ती संबंधी चिंताओं को मेघालय कार्मिक विभाग के समक्ष उठाया

शिलांग। जैंतिया छात्र संघ (जेएसयू) ने बुधवार को मेघालय सरकार के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के आयुक्त और सचिव को ग्रेड-4थ भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के संबंध में अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत किया और तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। यह कदम यूनियन द्वारा जोवाई में पश्चिम जयंतिया हिल्स के उपायुक्त को इसी तरह का एक ज्ञापन सौंपने के एक दिन बाद उठाया गया है, जिसमें जिला चयन समिति (डीएससी) द्वारा संचालित भर्ती प्रक्रिया पर चिंता व्यक्त की गई थी। चौथी कक्षा की लिखित परीक्षा 29 अगस्त को निर्धारित होने के कारण, जेएसयू ने अब राज्य स्तर पर हस्तक्षेप की मांग की है, जिसमें परीक्षा को स्थगित करने और नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र, समयबद्ध जांच करने का आह्वान किया गया है। यूनियन ने कहा कि कार्मिक विभाग से संपर्क करने का उसका निर्णय मामले की स्वतंत्र जांच और प्रशासनिक निगरानी की आवश्यकता से प्रेरित था। जेएसयू ने पिछली ग्रेड-4थभर्ती प्रक्रिया के लंबित परिणामों पर उचित कार्रवाई की भी मांग की है और सरकार से भर्ती में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। नवीनतम प्रस्तुति सरकार के हस्तक्षेप की मांग में वृद्धि का संकेत देती है, जिसमें जेएसयू ने कहा है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर उसकी चिंताओं का समाधान नहीं किया जाता है तो वह लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन और आगे की कानूनी कार्रवाई का सहारा ले सकती है।

गौहाटी हाईकोर्ट ने शिवसागर बाढ़ पर देबब्रत सैकिया की जनहित याचिका स्वीकार की

गुवाहाटी (हिंस)। गौहाटी हाईकोर्ट ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व नाजिरा विधायक देबब्रत सैकिया की ओर से ऊपरी असम में आई भीषण बाढ़ को लेकर दायर जनहित याचिका (पीआईएल) स्वीकार कर ली है। अदालत ने असम और नगालैंड सरकार सहित संबंधित पक्षों को 3 नवंबर, 2026 तक विस्तृत जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिका में दिखौ नदी के तल में कथित अवैध खनन, नागालैंड के जलग्रहण क्षेत्रों में गतिविधियों तथा ऊपरी बांधों से पानी छोड़े जाने को बाढ़ के संभावित कारणों के रूप में उठाया गया है। सैकिया ने आरोप लगाया कि अवैध खनन रोकने के लिए पूर्व में दिए गए न्यायालय के निर्देशों को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया गया। याचिका में 2018 और 2019 में दायर पूर्व की जनहित याचिकाओं का भी हवाला दिया गया है। सैकिया ने 2026 की बाढ़ के कारणों की वैज्ञानिक जांच, दिखौ और उसकी सहायक नदियों में अवैध खनन पर स्थायी रोक, प्रभावित परिवारों के लिए बेहतर मुआवजा तथा बांधों से पानी छोड़ने को लेकर असम-नगालैंड के बीच बेहतर समन्वय की मांग की है। अदालत ने बाढ़ से बचाव के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों और तटबंध निर्माण सहित अन्य उपायों का भी विवरण मांगा है। मामले की अगली कार्रवाई में ऊपरी असम में आई भीषण बाढ़ के प्रशासनिक, पर्यावरणीय और अंतरराज्यीय पहलुओं की जांच की जाएगी।

असम सरकार ने बीर लाचित सेना नेता की मौत की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए

गुवाहाटी। असम सरकार ने बीर लाचित सेना के नेता मानस ज्योति चेतिया की मौत की मजिस्ट्रेट स्तर की जांच के आदेश दिए हैं, जिनकी मौत शिवसागर के बिरुबोर इलाके में सड़क किनारे गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाए जाने के बाद हुई थी, और उन पर हमले के आरोप भी लगे हैं। खबरों के मुताबिक, चेतिया 23 अगस्त को बिरुबोर इलाके में सड़क किनारे गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले थे। उन्हें बाद मेंप डिब्रूगढ़ के असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एएमसीएच) ले जाया गया, जहां मंगलवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम जांच में कथित तौर पर सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोटों सहित कई चोटें पाई गईं। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा के निर्देशों के बाद, असम पुलिस ने उनकी मृत्यु से संबंधित परिस्थितियों की जांच तेज कर दी है। असम के डीजीपी हरमीत सिंह ने कहा कि पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) केजे सैकिया और उप महानिरीक्षक (डीआईजी) रॉबिन कुमार को जांच की निगरानी के लिए बिहुबार भेजा गया है। असम पुलिस के डीजीपी ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा कि पुलिस चेतिया की मौत के आसपास की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए *गंभीर कदम* उठा रही है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1)/3(5) के तहत बिहुबार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया जा चुका है। मामले की जांच की निगरानी शिवसागर एसएसपी पापोरी चेतिया, एपीएस द्वारा की जा रही है। डीजीपी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के निर्देशानुसार, शिवसागर के बिहुबार में मानसज्योति चेतिया की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु से संबंधित जांच के संदर्भ में, असम पुलिस सच्चाई का पता लगाने के लिए गंभीर कदम उठा रही है। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में बिहुबर पुलिस स्टेशन में धारा 103(1)/3(5) बीएनएस के तहत मामला संख्या 10/26 दर्ज किया जा चुका है और एसएसपी शिवसागर, श्रीमती पापोरी चेतिया, एपीएस द्वारा गहन जांच शुरू की गई है, जो व्यक्तिगत रूप से मौके पर इसकी निगरानी कर रही हैं। पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों और एक फोरेंसिक टीम को भी तैनात किया है। आईजीपी (पूर्वी रेंज) केजे सैकिया बिहुबार जा रहे हैं, जबकि डीआईजी आंध्र प्रदेश मुख्यालय डॉ. रॉबिन कुमार फोरेंसिक टीम के साथ गुवाहाटी से शिवसागर के लिए रवाना हो चुके हैं।

गुवाहाटी में 21 नशेड़ी युवकों को पकड़ा, दो ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वशिष्ठ पुलिस ने खानापाड़ा इलाके से 21 नशे के आदी युवकों को पकड़ा। पुलिस ने इन युवकों को कथित तौर पर ड्रग्स का सेवन करते हुए पकड़ा। बाद में सभी को पुनर्वास केंद्र भेज दिया गया। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो कथित ड्रग्स तस्करों को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बाबुल अली और राहुल इस्लाम के रूप में हुई है। इनके कब्जे से 33 ग्राम ड्रग्स बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी लंबे समय से खानापाड़ा इलाके में ड्रग्स का कारोबार चला रहे थे। पुलिस की कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब ड्रग्स के बढ़ते सेवन को लेकर चिंता बढ़ रही है। हाल ही में जोरहाट में ड्रग्स के कारण एक युवती की मौत का मामला भी सामने आया था। वशिष्ठ पुलिस के अनुसार, चालू वर्ष में अब तक 86 ड्रग्स के आदी लोगों को पुनर्वास केंद्र भेजा जा चुका है। पुलिस द्वारा नशे के कारोबार पर रोक लगाने के साथ-साथ नशे की गिरफ्त में आए लोगों को उपचार और पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्रवाई की जा रही है।

मणिपुर पुलिस ने जबरन वसूली और अपहरण के आरोप में छह उग्रवादियों को गिरफ्तार कियौ

इंफाल। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मणिपुर में सुरक्षा बलों ने जबरन वसूली, धमकी और अपहरण में कथित संलिप्तता के आरोप में एक नाबालिग सहित छह संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रतिबंधित यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी ऑफ कांगलेइपाक (यूपीपीके) के छह संदिग्ध कार्यकर्ताओं को मंगलवार को बिष्णुपुर, इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों में अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों में 51 वर्षीय पी. कोइरेंग सिंह भी शामिल थे, जिन्हें इंफाल पश्चिम में कोइरेंगेई वन गेट के पास से पकड़ा गया था। पुलिस ने बताया कि सिंह राज्य के वन विभाग में माली के रूप में काम करता है। सुरक्षाकर्मियों ने गिरफ्तार संदिग्धों से यूपीपीके के 23 लेटरहेड बरामद किए। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने अपहरण, जबरन वसूली और धमकी देने जैसी गतिविधियों में शामिल होने की बात स्वीकार की है। एक अलग अभियान में, सुरक्षा बलों ने कांगपोकपी और सेनापति जिलों में ताफौ कुकी-ताफौ लियांगमाई मार्ग के आसपास के क्षेत्रों से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए। मणिपुर पुलिस और सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने मंगलवार को ताफौ कुकी और उससे सटे ताफौ लियांगमाई में घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस अभियान के परिणामस्वरूप दो एसबीबीएल बंदूकें, 12-बोर गोला बारूद के 78 राउंड और एके-47 और .22 कैलिबर गोला बारूद के खाली खोल बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि इस अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने ताफौ कुकी में दो बंकर और ताफौ लियांगमाई में एक और बंकर को भी ध्वस्त कर दिया।

असम में पीएम आवास योजना के तहत बनेंगे 3.8 लाख से अधिक नए घर, 5,000 करोड़ का निवेश

गुवाहाटी (हिंस)। बाढ़ प्रभावित और बेघर लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर है। प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत असम में 3.8 लाख से अधिक नए घरों का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए राज्य में करीब 5,000 करोड़ का निवेश किया जाएगा। इस पहल से बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित बड़ी संख्या में परिवारों को स्थायी आवास उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इसके अलावा कृषि क्षेत्र के विकास के लिए असम को अतिरिक्त 139 करोड़ रुपए की सहायता मिलेगी। इन मुद्दों को लेकर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ बैठक की। बैठक में आवास, कृषि विकास तथा बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए सहायता से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

जोरहाट में पिस्टल के साथ ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

जोरहाट (हिंस)। असम के जोरहाट में पुलिस ने ड्रग्स तस्करी के आरोप में आजादुर रहमान को पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आज बताया कि कार्रवाई के दौरान उसके पास से एक आईफोन 17 और रॉयल एनफील्ड हंटर 350 मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। पुलिस के अनुसार, आजादुर रहमान जोरहाट के सिनामारा इलाके के रूपनगर में किराए के मकान में रह रहा था। मामले में पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है।

रंगिया : विधायक भबेश कलिता के मार्गदर्शन में नवम वार्षिक सीएम चैंपियनशिप ट्रॉफी का आयोजन

रंगिया (विभास)। हरदत्त-बीरदत्त क्रीड़ा संघ के तत्वावधान और स्थानीय विधायक भबेश कलिता के मार्गदर्शन तथा देखरेख में प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी सीएम चैम्पियनशिप ट्रॉफी आमंत्रणमूलक प्राइजमनी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इस प्रतिष्ठित *नवम वार्षिक* प्रतियोगिता को लेकर पूरे क्षेत्र के खेल प्रेमियों और युवाओं के बीच भारी उत्साह और जश्न का माहौल बना हुआ है। इस प्रतियोगिता में राज्य की कई प्रमुख और प्रतिष्ठित फुटबॉल टीमें हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट का औपचारिक आगाज 28 अगस्त 2026 से होने जा रहा है, जिसके मुकाबले क्षेत्र के विभिन्न खेल मैदानों पर खेले जाएंगे। प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल 12 सितंबर और दूसरा सेमीफाइनल 13 सितंबर को आयोजित होगा।

त्रिपुरा को पीएमएफएमई योजना के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य का पुरस्कार मिला

अगरतला। प्रधानमंत्री की सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के औपचारिककरण (पीएमएफएमई) योजना के तहत लघु राज्य श्रेणी में त्रिपुरा को समग्र रूप से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य के रूप में घोषित किया गया है। इस सम्मान की घोषणा 24-25 अगस्त को नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित पीएमएफएमई कॉन्क्लेव 2026 में की गई। ज्योग्राफिकसंदर्भ यह पुरस्कार केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान द्वारा प्रदान किया गया। यह मान्यता राज्य द्वारा लघु खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और स्थानीय उद्यमियों के बीच उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की पहलों को उजागर करती है। पीएमएफएमई ढांचे के माध्यम से, लाभार्थियों को उद्यमों को औपचारिक रूप देने, कौशल और उत्पादन क्षमताओं में सुधार करने, वित्तीय सहायता प्राप्त करने और अपनी बाजार पहुंच का विस्तार करने के लिए सहायता मिलती है। त्रिपुरा शहरी आजीविका मिशन (टीयूएलएम) ने इस मान्यता को राज्य के लिए एक *प्रमुख उपलब्धि* बताया। एक सोशल मीडिया पोस्ट में, टीयूएलएम ने बताया कि राष्ट्रीय सम्मेलन ने खाद्य प्रसंस्करण, उद्यमिता, आजीविका और शहरी विकास से जुड़े हितधारकों को विचारों का आदान-प्रदान करने और सफल पहलों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया। मिशन के अनुसार, यह पुरस्कार त्रिपुरा के खाद्य प्रसंस्करण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास की दिशा में सरकारी एजेंसियों, जमीनी स्तर के उद्यमियों और सामुदायिक संगठनों के सामूहिक प्रयासों को दर्शाता है। मिशन ने कहा कि त्रिपुरा के लिए यह एक गौरवपूर्ण क्षण है, क्योंकि पीएमएफएमई योजना के तहत लघु राज्य श्रेणी में इसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य के रूप में मान्यता मिली है। यह पुरस्कार माननीय केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान से प्राप्त किया गया। टीयूएलएम ने यह भी कहा कि पीएमएफएमई सम्मेलन जैसे मंच जमीनी स्तर के उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों, सूक्ष्म उद्यमों और स्थानीय आजीविका पहलों के लिए समर्थन को मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं। इस सम्मेलन में उद्यमिता, आजीविका, खाद्य प्रसंस्करण, शहरी विकास और समावेशी आर्थिक विकास को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हितधारक एक साथ आए। इस तरह के मंच हमें जमीनी स्तर के उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों, सूक्ष्म उद्यमों और स्थानीय आजीविका पहलों का समर्थन जारी रखने के लिए प्रेरित करते हैं।

सीडीए के कर्मचारी संतोष कुमार गांधी को सीडीए, पुणे का सर्व भारतीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया

गुवाहाटी। सीडीए के कर्मचारी संतोष कुमार गांधी को एआईडीएए (सीडीए), पुणे का सर्व भारतीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर मंगलवार को महानगर के नारंगी, सातगांव स्थित रक्षा लेखा नियंत्रक गुवाहाटी के मुख्य कार्यालय में कर्मचारियों और सहयोगियों ने नवनियुक्त उपाध्यक्ष संतोष कुमार गांधी का भव्य स्वागत किया। सम्मान समारोह में संतोष कुमार गांधी ने कहा कि आज मेरे लिए एक विशेष दिन है। इस सुनहरी यात्रा में मेरा सहयोग करने वाले हर व्यक्ति को मैं धन्यवाद देता हूं। आने वाले दिनों में मैं प्रत्येक कर्मचारी की शिकायतों और समस्याओं के समाधान पर विशेष ध्यान दूंगा। यह पद मुझे और अधिक उत्साह के साथ काम करने की प्रेरणा देगा और कर्तव्य के प्रति मेरी जिम्मेदारी को और बढ़ाएगा। रक्षा लेखा नियंत्रक गुवाहाटी के मुख्य कार्यालय में आयोजित इस सम्मान समारोह में विनोद सिंह (डॉ. लालपथ लैब), मृत्युंजय कुमार, अनित कुमार शर्मा सहित विभाग के कई कर्मचारी और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

आरक्षण हक नहीं, व्यवस्था है

भारत में आरक्षण की व्यवस्था को समाप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह राजनीति और चुनाव का 'अमोघ अस्त्र' बन चुका है। संविधान में भी अनुच्छेद 340, 341 में उल्लेख है कि सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक विषमताओं, विसंगतियों को खत्म करने और कुछ समुदायों को समानता की मुख्यधारा में लाने को आरक्षण की व्यवस्था लागू की गई है। यह व्यवस्था आजादी और संविधान लागू होने के बाद सिर्फ 10 सालों के लिए थी, लेकिन 79 साल की आजादी के बाद भी जारी है और उसे निरंतर जारी रखना सरकारों की विवशता भी है। आरक्षण संवैधानिक अधिकार नहीं है, मौलिक अधिकार भी नहीं है, सिर्फ एक व्यवस्था है, जिसे बढ़ाया जाता रहा है। अनुच्छेद 15 और 16 में आरक्षण की शक्ति राज्य को दी गई है, लेकिन सर्वोच्च अदालत यह भी स्पष्ट कर चुकी है कि आरक्षण मौलिक अधिकार नहीं, बल्कि एक व्यवस्था है। संविधान में आर्थिक रूप से गरीब, कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था क्यों नहीं की गई, इसका जवाब हम नहीं दे सकते। क्या ब्राह्मण, वैश्य, क्षत्रिय, भूमिहार आदि सवर्ण वर्ग 'गरीब' नहीं हैं? हमारे पुरखों ने यह कल्पना क्यों नहीं की? क्या उस समय देश में कोई भी सवर्ण 'कमजोर' नहीं था? ये सवाल निरंतर अनुत्तरित रहेंगे। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों के लिए 10 फीसदी का आरक्षण संसद से पारित कराया था, जिसे सर्वोच्च अदालत ने भी 'न्यायिक' माना, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। दरअसल छिद्र और विसंगतियां आरक्षण की व्यवस्था में हैं। उस संदर्भ में सर्वोच्च अदालत ने 'क्रीमी लेयर' का फैसला सुनाया था। 'क्रीमी लेयर' की आय-सीमा 8 लाख रुपए सालाना तय है। उससे अधिक आय वाले आरक्षित वर्गों के बच्चों को आरक्षण नहीं मिलेगा। लेकिन यह न्यायिक व्यवस्था पूरी तरह लागू नहीं है। हम ऐसे कई परिवारों को जानते हैं, जिनमें पीढ़ी-दर-पीढ़ी आईएएस, आईपीएस अधिकारी हैं। उनके परिवारों को आरक्षण क्यों चाहिए? या क्यों दिया जाना चाहिए? लोकसभा में 131 सांसद 'आरक्षित' हैं। अनुसूचित जाति के 84 और जनजाति के 47 सांसद हैं। राज्यों की विधानसभाओं में भी सैकड़ों आरक्षित विधायक हैं। मंत्री, राज्यमंत्री और अन्य पदों पर भी आरक्षित चेहरे हैं। यदि राष्ट्रीय स्तर के चेहरों का उल्लेख करें, तो बसपा प्रमुख एवं उप्र की चार बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती, लोकसभा सांसद एवं उप्र के ही पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और रामदास अठावले आदि के परिवारों और बच्चों को आरक्षण क्यों मिलना चाहिए? पासवान परिवार में रामविलास पासवान (अब दिवंगत) के समय से भाई, भतीजा, दामाद सभी सत्ता में रहे अथवा सांसद-विधायक रहे। आखिर सामाजिक पिछड़ेपन, विषमताओं से उबरने का मापदंड क्या है? यह सरकारों ने तय नहीं किया और सर्वोच्च अदालत ने भी कोई फैसला नहीं सुनाया। राजनीति और सरकारें तो आरक्षण के सामने नतमस्तक हैं, बंधक बनी हैं। 'क्रीमी लेयर' की परवाह कौन करता है? आप शिक्षित हैं, आर्थिक रूप से सम्पन्न हैं, सामाजिक रुतबा भी है, विषमताओं से बाहर आने का और क्या आधार होना चाहिए? हम यह विश्लेषण इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि सवर्ण युवाओं ने 'जंतर-मंतर' पर प्रदर्शन किया था। उन्होंने यह मुद्दा उठाते हुए आरक्षण की समीक्षा करने, उसमें सुधार करने की मांग की है। वे खुद को 'संवैधानिक अछूत' मान रहे हैं। यह नौबत क्यों आई? वे भी 'जेन-जी' के चेहरे हैं। वे प्रतिभाशाली हैं, अच्छे अंकों से परीक्षाएं पास कर रहे हैं, लेकिन उनकी सामान्य श्रेणी की इतनी रिक्तियां नहीं हैं कि उन्हें नौकरी मिल सके। आरक्षण का मुद्दा उठा है, तो केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जैसे नेतागण इस मुद्दे पर विमर्श को ही तैयार नहीं हैं। आरक्षण को संवैधानिक अधिकार करार दे रहे हैं। विपक्ष ने एक बार फिर नेरेटिव गढ़ना शुरू कर दिया है कि भाजपा-संघ आरक्षण के साथ-साथ संविधान को भी खत्म करना चाहते हैं। यही नेरेटिव 2024 के लोकसभा चुनाव में इस्तेमाल किया गया था। गृहमंत्री अमित शाह संसद में वक्तव्य दे चुके हैं कि यदि बाबा अंबेडकर भी आज आ जाएं, तो भी आरक्षण खत्म नहीं होगा। समीक्षा में क्या दिक्कत है? सवर्ण भी देश के नागरिक हैं।

> संविधान में भी अनुच्छेद 340, 341 में उल्लेख है कि सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक विषमताओं, विसंगतियों को खत्म करने और कुछ समुदायों को समानता की मुख्यधारा में लाने को आरक्षण की व्यवस्था लागू की गई है। यह व्यवस्था आजादी और संविधान लागू होने के बाद सिर्फ 10 सालों के लिए थी, लेकिन 79 साल की आजादी के बाद भी जारी है और उसे निरंतर जारी रखना सरकारों की विवशता भी है। आरक्षण संवैधानिक अधिकार नहीं है, मौलिक अधिकार भी नहीं है, सिर्फ एक व्यवस्था है, जिसे बढ़ाया जाता रहा है। अनुच्छेद 15 और 16 में आरक्षण की शक्ति राज्य को दी गई है, लेकिन सर्वोच्च अदालत यह भी स्पष्ट कर चुकी है कि आरक्षण मौलिक अधिकार नहीं, बल्कि एक व्यवस्था है। संविधान में आर्थिक रूप से गरीब, कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था क्यों नहीं की गई, इसका जवाब हम नहीं दे सकते। क्या ब्राह्मण, वैश्य, क्षत्रिय, भूमिहार आदि सवर्ण वर्ग 'गरीब' नहीं हैं? हमारे पुरखों ने यह कल्पना क्यों नहीं की? क्या उस समय देश में कोई भी सवर्ण 'कमजोर' नहीं था? ये सवाल निरंतर अनुत्तरित रहेंगे। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों के लिए 10 फीसदी का आरक्षण संसद से पारित कराया था, जिसे सर्वोच्च अदालत ने भी 'न्यायिक' माना, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। दरअसल छिद्र और विसंगतियां आरक्षण की व्यवस्था में हैं। उस संदर्भ में सर्वोच्च अदालत ने 'क्रीमी लेयर' का फैसला सुनाया था। 'क्रीमी लेयर' की आय-सीमा 8 लाख रुपए सालाना तय है। उससे अधिक आय वाले आरक्षित वर्गों के बच्चों को आरक्षण नहीं मिलेगा।

वैश्विक चीनी कीमतों का भी चीनी की कीमतों और बाजार की भावना पर प्रभाव पड़ सकता है

चीनी की मिठास पर महंगाई की कड़वाहट

> मौसम न केवल साल का एक खास समय होता है, बल्कि जीवन का भी एक अहम हिस्सा होता है। मिठाइयाँ, पारंपरिक भोजन, धार्मिक अनुष्ठान, मेहमाननवाज़ी और उपभोग में बढ़ोतरी। यही कारण है कि चीनी की कीमतों में हाल ही में हुई बढ़ोतरी पर गहराई से नज़र डालना बेहद ज़रूरी है। कुछ शहरों में खुदरा चीनी की कीमतें ₹42-45 से बढ़कर ₹62-65 हो जाना और थोक व मिल से चीनी की कीमतें ऊँची बनी रहना, इसे महज़ एक मौसमी घटना कहना बहुत सरल व्याख्या होगी। यहाँ एक बड़ा नीतिगत मुद्दा है: क्या भारत खाद्य अनाज, कच्चे माल और ऊर्जा नीति के एक हिस्से के रूप में चीनी के बीच सही संतुलन बना पा रहा है? लागत में वृद्धि कई कारकों के कारण होती है

भारत में त्योहारों का मौसम न केवल साल का एक खास समय होता है, बल्कि जीवन का भी एक अहम हिस्सा होता है। मिठाइयाँ, पारंपरिक भोजन, धार्मिक अनुष्ठान, मेहमाननवाज़ी और उपभोग में बढ़ोतरी। यही कारण है कि चीनी की कीमतों में हाल ही में हुई बढ़ोतरी पर गहराई से नजर डालना बेहद जरूरी है। कुछ शहरों में खुदरा चीनी की कीमतें ₹42-45 से बढ़कर ₹62-65 हो जाना और थोक व मिल से चीनी की कीमतें ऊँची बनी रहना, इसे महज़ एक मौसमी घटना कहना बहुत सरल व्याख्या होगी। यहाँ एक बड़ा नीतिगत मुद्दा है: क्या भारत खाद्य अनाज, कच्चे माल और ऊर्जा नीति के एक हिस्से के रूप में चीनी के बीच सही संतुलन बना पा रहा है? लागत में वृद्धि कई कारकों के कारण होती है। पहला कारण मौसमी मांग है—यानी गर्मियों में होने वाली अतिरिक्त मांग। त्योहारों के दौरान चीनी की खपत में उल्लेखनीय वृद्धि होती है, जिससे आपूर्ति पर भारी दबाव पड़ता है। वहीं दूसरी ओर, चीनी उत्पादन के मौसम के अंत में चीनी मिलों में स्टॉक कम होने लगता है, जिससे आपूर्ति और मांग का अंतर कम हो जाता है। वैश्विक चीनी कीमतों का भी चीनी की कीमतों और बाजार की भावना पर प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, इस पूरी कहानी का एक महत्वपूर्ण पहलू देश का इथेनॉल अनिवार्य नियम है। भारत में पेट्रोल में इथेनॉल का मिश्रण एक क्रमिक प्रक्रिया रही है, जिसके तीन उद्देश्य हैं: आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करना, किसानों को एक और बाजार उपलब्ध कराना और चीनी मिलों को आय का एक और स्रोत प्रदान करना। इसलिए, चीनी की कीमतों में वृद्धि का एकमात्र कारण इथेनॉल को नहीं माना जाना चाहिए। लेकिन घरेलू चीनी की उपलब्धता पर इसके प्रभाव को नजरअंदाज करना भी एक गलती होगी। अगर उपलब्ध चीनी का इस्तेमाल इथेनॉल उत्पादन के लिए किया जाता है, तो चीनी की कीमतों पर और दबाव पड़ सकता है, जिससे घरेलू चीनी भंडार प्रभावित होंगे। अब सरकार के नीतिगत फैसलों की असली परीक्षा है। खाद्य मुद्रास्फीति का सीधा असर परिवारों पर पड़ेगा, और ऊर्जा सुरक्षा एक दीर्घकालिक लक्ष्य है। इथेनॉल कार्यक्रम को बंद करने की मांग नहीं की जा रही है, बल्कि इसे बाजार की स्थितियों के अनुरूप ढालने के लिए अधिक लचीला बनाने की मांग की जा रही है। घरेलू चीनी भंडार स्थिर होने पर, इथेनॉल उत्पादन के लिए अधिक गुंजाइश रखी जा सकती है। हालांकि, खाद्य आपूर्ति सीमित होने और कीमतें बढ़ने की आशंका को देखते हुए, घरेलू खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अल्पकालिक अनुकूलन उपायों के लिए गुंजाइश होनी चाहिए। सरकार द्वारा 10 लाख टन चीनी के आयात और स्टॉक सीमा जैसे अन्य उपायों की घोषणा से त्योहारी मौसम से पहले बाजार को कुछ समय के लिए राहत मिलेगी और बाजार में स्थिरता आएगी। लेकिन एक सवाल उठता है जिस पर विचार करना जरूरी है: क्या कीमतें बढ़ने के बाद ही हस्तक्षेप करना चाहिए? कृषि उत्पादों से संबंधित नीतियों की प्रभावशीलता का एक संकेतक कमी का पूर्वानुमान लगाने की क्षमता है। यदि सरकार के पास उत्पादन, घरेलू खपत और इथेनॉल की ओर संभावित बदलाव का विश्वसनीय अनुमान हो, तो संभावित स्टॉक की कमी का आसानी से पता लगाया जा सकता है। इसलिए चीनी आयात को केवल एक प्रतिक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि एक नीतिगत दृष्टिकोण के रूप में देखा जाना चाहिए, जो पूर्वानुमानित और समयबद्ध हो। अनावश्यक आयात किसानों और मिलों के लिए हानिकारक हो सकता है और उत्पाद की कमी होने पर इससे बचना चाहिए; हालांकि, आवश्यकता पड़ने पर आयात न करने से उपभोक्ता को अधिक कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। पारदर्शिता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कमोडिटी बाजार केवल बाजार में उपलब्ध वस्तुओं तक ही सीमित नहीं है; यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि बाजार में उनकी छवि कैसी है। देश के भंडार की स्थिति जाने बिना, व्यापारी और उपभोक्ता अटकलों, अफवाहों और अपेक्षाओं से प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इथेनॉल के उत्पादन, भंडार, खपत और डायवर्जन से संबंधित अधिक विश्वसनीय और नियमित जानकारी उपलब्ध हो। अधिक जानकारी से जमाखोरी और कृत्रिम कमी का पता लगाने में मदद मिलेगी और नीति निर्माताओं को किसी भी वास्तविक कमी के बारे में प्रारंभिक चेतावनी मिल सकेगी। कुछ मामलों में, स्टॉक सीमा आवश्यक हो सकती है, लेकिन केवल स्टॉक सीमा ही बाजार की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। चीनी की बढ़ती कीमतों का एक और पहलू सामाजिक प्रभाव है। खाद्य मुद्रास्फीति का असर अक्सर सभी पर समान रूप से नहीं पड़ता। प्रति किलोग्राम कुछ रुपये की अतिरिक्त कीमत भी निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के बजट पर भारी पड़ सकती है, जबकि उच्च आय वर्ग के परिवार शायद इसे वहन कर सकें। यह त्योहारों के मौसम की बात है, जब भोजन और मिठाइयों पर खर्च का दबाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। छोटे मिठाई की दुकानों, बेकरियों और स्थानीय खाद्य व्यवसायों के लिए एक और चुनौती है। बड़ी कंपनियों के विपरीत, उनके पास कच्चे माल की लगातार बढ़ती लागत को वहन करने के लिए पर्याप्त क्षमता नहीं होती है। उन्हें एक कठिन दुविधा का सामना करना पड़ता है, क्योंकि उन्हें या तो अपने मुनाफे में कटौती करनी होगी या चीनी, दूध, घी आदि और सूखे मेवों की कीमतें बढ़ानी होंगी। अंततः, इसका बोझ उपभोक्ता पर ही पड़ता है। नीतिगत चर्चाओं में, उपभोक्ताओं और किसानों के हितों को इस तरह से पेश किया जाता है मानो वे अनिवार्य रूप से परस्पर विरोधी हों। यह एकमात्र समाधान नहीं है। किसानों को गन्ने से उचित आय चाहिए, मिलों को वित्तीय स्थिरता चाहिए, सरकार इथेनॉल के रूप में गन्ने का उत्पादन बढ़ाने में रुचि रखती है और उपभोक्ताओं को चीनी का उचित मूल्य चाहिए। एक टिकाऊ नीति एकतरफा नहीं हो सकती और एक समूह को नुकसान पहुंचाकर दूसरे को लाभ नहीं पहुंचा सकती। त्योहारी मौसम में चीनी की कीमतों में वृद्धि होना कोई असामान्य बात नहीं है। मांग अधिक होने पर बाजार पर दबाव पड़ना स्वाभाविक है। हालांकि, अगर छुट्टियों के अंत तक कीमतें कम नहीं होती हैं, तो यह कहना मुश्किल होगा कि पूरी वृद्धि मौसमी मांग के कारण हुई है। सरकार को उत्पादन अनुमानों की सटीकता, स्टॉक स्तरों की सटीकता, इथेनॉल के उपयोग के लिए निर्धारित चीनी की मात्रा और आयात सही समय पर किए गए थे या नहीं, इन सभी की समीक्षा करनी होगी। चीनी की कीमतों में मौजूदा वृद्धि महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत की आर्थिक नीति के विभिन्न प्रमुख नीतिगत लक्ष्यों के बीच विरोधाभास को उजागर करती है। ये लक्ष्य सराहनीय हैं, जिनमें किसानों की आय में वृद्धि, ऊर्जा सुरक्षा में सुधार और उपभोक्ता मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाना शामिल है। त्योहारी मौसम की मिठास को बनाए रखने के लिए बाजार में चीनी की मात्रा बढ़ाना ही काफी नहीं है।

देश | दुनीया से

उच्च शिक्षा का काला सच

देश में शिक्षित बेरोजगारों की संख्या में वृद्धि चिंता का कारण है। आज से 40-50 साल पहले व्यवसायी का बच्चा 10-12 क्लास पढ़ कर व्यापार में लग जाता था और कुछ लोगों को नौकरी भी देता था। आज उनके बच्चे भी नौकरी देने के बजाय उच्च शिक्षा प्राप्त कर नौकरी की लाइन में खड़े हो गए हैं। इधर पढ़ने के बाद सबको आराम की नौकरी चाहिए। इसीलिए ज्यादा से ज्यादा लोग सरकारी नौकरी खोजते हैं। शिक्षित युवा छोटा काम करने से गुरेज करते हैं। जब यह मानसिकता हावी रहेगी तो बेरोजगारी बढ़ेगी ही बढ़ेगी। इसके लिए हमारा उच्च शिक्षा का सिस्टम भी जिम्मेवार है। आईये, इस सिस्टम की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पड़ताल करें। हमेशा से भारतीय समाज में शिक्षा को सदियों से बौद्धिक उत्थान का माध्यम माना गया था। आधुनिक दौर में इसका स्थान आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा की गारंटी ने ले लिया है। बचपन में जब कोई बच्चा पहली बार स्कूल जाता है, तो परिवार और समाज मिलकर उसके दिल और दिमाग में एक ही विचार ठोकते जाते हैं कि बस बारहवीं पास कर लो, फिर जीवन संवर जाएगा। बारहवीं के बाद यह वादा ग्रेजुएशन और फिर पोस्ट ग्रेजुएशन तक खिसक जाता है। माता-पिता अपनी जीवनभर की जमा पूंजी, जमीन-जायदाद या पेंशन का पैसा दांव पर लगाकर संतान को हायर एजुकेशन की अंधी दौड़ में झोंक देते हैं। वर्षों की मेहनत और लाखों के खर्च के बाद जब यह युवा डिग्री लेकर बाजार में खड़ा होता है, तो जीवन की हकीकत का काला सच उसके सारे भ्रम तोड़ देता है। तब अहसास होता है कि जिस व्यवस्था को छात्र अच्छा भविष्य समझ रहा था, वह असल में उसकी उम्मीदों का शमशान साबित हुई। आज उच्च शिक्षा रूपी उद्योग हर साल लाखों की तादाद में इंजीनियर, डॉक्टर, एमबीए, वकील और आर्ट्स-साइंस ग्रेजुएट्स तैयार करने वाली एक विशाल डिग्री फैक्टरी बन चुका है। लेकिन इस संख्यात्मक विकास के पीछे गुणात्मक पतन का एक भयावह सच छिपा है। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रोजगार सर्वेक्षणों के आंकड़े बताते हैं कि देश के लगभग 50 प्रतिशत से अधिक ग्रेजुएट सीधे तौर पर उद्योग की जरूरतों के अनुरूप नहीं हैं। इसको कौन ठीक करेगा? विश्वविद्यालयों का पाठ्यक्रम आज की तकनीकी क्रांति (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, ऑटोमेशन) से कोसों दूर दशकों पुराने ढर्रे पर चल रहा है। कॉलेज कक्षाओं में छात्रों को कुछ नया करना या समस्या समाधान नहीं सिखाया जाता, बल्कि केवल परीक्षा पास करने के लिए सिद्धांतों को रटने की कला सिखाई जाती है। नतीजा यह है कि हाथ में प्रथम श्रेणी की डिग्री होने के बावजूद युवा एक साधारण फॉर्म भरने या ईमेल ड्राफ्ट करने में असहज महसूस करते हैं। इसके लिए कौन जिम्मेवार है? हायर एजुकेशन का प्रवेश द्वार अब एक बहु-अरब डॉलर के कोचिंग उद्योग से होकर गुजरता है। कोटा, दिल्ली, पटना, हैदराबाद और इंदौर जैसे अनेक शहर अब ज्ञान के केंद्र नहीं, बल्कि फैक्टरियों में तब्दील हो चुके हैं। 13-14 साल के बच्चों को स्कूल छोड़कर 14-16 घंटे कोचिंग और टेस्ट सीरीज के अंतहीन भंवर में डाल दिया जाता है। नीट से पैदा हुई परेशानियों को कौन भूल सकता है। होर्डिंग्स पर चमकते टॉपर्स के चेहरों के पीछे उन लाखों गुमनाम छात्रों की चीखें दब जाती हैं जो अफलता के डर, एकाकीपन और परिवार की भारी अपेक्षाओं के बोझ तले दब जाते हैं। हर साल आने वाली छात्रों की आत्महत्याओं और डिप्रेशन की खबरें इस बात का प्रमाण हैं कि यह व्यवस्था युवाओं को भविष्य देने के बजाय उनका वर्तमान छीन रही है। इसे कौन ठीक करेगा? शिक्षा का यह बाजारीकरण मध्यमवर्गीय परिवारों की जेब और युवाओं की मानसिक शांति दोनों को खाली कर रहा है। पिछले दो दशकों में निजी शिक्षण संस्थानों की जो बाढ़ आई है, उसने शिक्षा को एक शुद्ध मुनाफा कमाने वाले व्यवसाय में बदल दिया है। संगमरमर से सजे परिसर, एसी क्लासरूम, गोल्फ कोर्स और स्विमिंग पूल दिखाकर लाखों रुपए की फीस वसूली जाती है।

लेकिन जब बात फैकल्टी और लैब की गुणवत्ता की आती है, तो ये संस्थान पूरी तरह खोखले साबित होते हैं। अनेक अध्यापकों को अनेक जगह पर मजदूर से कम अदायगी हो रही है। न्यूनतम उपस्थिति और बिना किसी बौद्धिक मशक्कत के ग्रेड्स बांटे जाते हैं ताकि अगले साल के दाखिलों के लिए आकर्षक ब्रोशर तैयार किए जा सकें। शिक्षा के इस व्यवसायीकरण ने एक गहरी सामाजिक खाई पैदा कर दी है। जहां धनाढ्य वर्ग का औसत छात्र मोटी फीस देकर मैनेजमेंट कोटा से डिग्री हासिल कर लेता है, वहीं प्रतिभाशाली गरीब छात्र फीस के अभाव में प्रवेश से वंचित रह जाता है। मध्यमवर्गीय परिवार अपने जीवन की सारी सुरक्षा त्यागकर बच्चों की उच्च शिक्षा में निवेश करते हैं। इसे वे अपने भविष्य की सबसे सुरक्षित एफडी मानते हैं। लेकिन इसका रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट बेहद निराशाजनक है। जब 20 लाख रुपए का एजुकेशन लोन लेकर पढ़ाई पूरी करने वाले युवा को 15000 रुपए की नौकरी मिलती है, तो वह लोन की किस्त चुकाने में ही असमर्थ हो जाता है। चपरासी या नगर निगम की सफाई कर्मचारी भर्ती में जब पीएचडी और एम. टेक पास युवा कतार में खड़े दिखते हैं, तो यह केवल बेरोजगारी का संकट नहीं, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था के दिवालियापन का प्रमाण है। इसके लिए कौन जिम्मेवार है। किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान की रीढ़ उसके शिक्षक और शोध की संस्कृति होती है। भारत की अधिकांश यूनिवर्सिटीज और कॉलेजों में यह रीढ़ ही टूटी हुई है। हजारों योग्य नेट-पीएचडी धारक शिक्षक 15 से 20 हजार रुपए के मानदेय पर ठेके पर पढ़ाने को मजबूर हैं।

आप का | नजरीया

पुनः गारंटियों की घंटी बजी

हिमाचल में एक घोषणा ने सियासत की सारी लीग बदल दी और एक साथ सारे कयास बदल गए। विधानसभा सत्र की औपचारिक कार्यवाही के बीच मुख्यमंत्री ने अपना बटुआ खोल दिया। घोषणा यह कि दो अक्तूबर से दो लाख परिवारों को पंद्रह सौ रुपए तथा 300 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी यानी सबसे चर्चित गारंटियों की घंटी बजा दी गई। गारंटियों की यह घंटी जितनी दूर तक सुनी जाएगी, उतनी ही मजबूती से कांग्रेस सरकार अपने मिशन रिपीट की गुल्लक पर विश्वास कर सकती है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने एक तरह से राजनीति का ब्रह्मास्त्र पेश किया है। सियासत की सारी रेवडियां अब सरकार के पलड़े को भारी कर रही है, तो विपक्ष की राजनीति के पास आम जनता की संवेदना से खेलने का कोई त्वरित अवतार दिखाई नहीं देता। जाहिर है इस घोषणा से हिमाचल में आगामी चुनाव का प्रचार सुदृढ़ होगा और इसके तोड़ में भाजपा को अपनी हथेली खोलनी पड़ेगी। राजनीतिक बाजार में हिमाचल भी अब मुफ्त की रोटियां सेंकते मतदाता को देखेगा। यह मसला दो लाख परिवारों का नहीं, बल्कि उन नागरिकों का है जो वोट के बदले इस पारितोषिक का मूल्यांकन करेंगे। समय रहते वादों की अंतिम फेहरिस्त पर हस्ताक्षर करके, मुख्यमंत्री सुक्खू ने विपक्ष को कुछ नया करने की चुनौती दे डाली है। अब तक मुख्यमंत्री दुरुह या कबायली क्षेत्रों की महिलाओं को पंद्रह सौ रुपए प्रदान करने की नीति पर चल रहे थे, लेकिन दो अक्तूबर से एक साथ दो लाख परिवार अगर समूची पूंजी और मुफ्त की बिजली आपूर्ति से लाभान्वित होने जा रहे हैं, तो यह कसौटी पूरे प्रदेश के प्रतिज्ञा पत्र बदल देगी। अब निगाह भाजपा के घोषणापत्र का इंतजार करेगी, लेकिन इससे पूर्व अब बहस और चर्चाओं के दायरे बड़े जरूर हो जाएंगे। वोट की गंगा में जिस तरह सियासत अपने कर्म धोने लगी है, उससे चुनाव के मायने बदल गए हैं। पिछले विधानसभा चुनाव से अगले चुनाव की रूपरेखा तक कांग्रेस की गारंटियों का निष्पादन एक बड़ा सत्य बन कर उभरा है, तो वातावरण में तेजी जरूर आएगी। भय यह है कि चुनाव की प्राथमिकताओं में राज्य के अपने खतरे, अपनी जरूरतें और अपनी कसौटियां कहीं पीछे रह जाती हैं। इस तरह के आर्थिक बोझ की आदत से मतदाता की अपेक्षाएं हमेशा सियासी डाल-डाल पर डील करने लगें, तो सुशासन, व्यवस्था और आर्थिक अनुशासन की बात कौन समझेगा। बहरहाल, सुक्खू सरकार की घोषणा के कई आयाम दिखाई दे रहे हैं। पहला यही कि इस आबंटन के लिए संसाधन कहां से आएंगे और कितना बजट ले जाएंगे। दूसरे यह कि इस घोषणा से सियासत का पहर बदल रहा है। कांग्रेस ने न केवल अपनी गारंटी की यात्रा पूरी की, बल्कि विपक्ष से मुद्दों की एक बड़ी बिसात छीन ली। अब यह निर्णय विपक्ष को करना है कि इस आबंटन की पारी से अलग कौनसा चमत्कार करे। फिलहाल जादुई हाथ तो कांग्रेस की सत्ता ने दिखा दिया और एक साथ दो लाख परिवारों यानी करीब दस लाख लोगों की परिक्रमा कर दी। पूरे देश में राजनीति के सामने कुछ मसले ऐसे भी आए हैं, जो पारंपरिक राजनीति में बदलाव चाहते हैं। जेन जी से जेन अल्फा तक की गुंजाइश में यह देश नित नए मुद्दे देख रहा है। यह पीढ़ी देश के संबोधन और सरकार के प्रलोभन को बदलना चाहती है। ये लोग सपनों के बजाय हकीकत के हर अंश में राष्ट्र को प्रतिबिंबित होते देखना चाहते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में हिमाचल के स्कूल-कालेजों में पढ़ रहे छात्र, रोजगार कार्यालयों में दर्ज बेरोजगार तथा विभिन्न प्रवेश या प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं से गुजर रही पीढ़ियों को मुफ्त के आबंटन से हटकर अपने अधिकार, न्याय की दरकार और कर्तव्य की पुकार का औचित्य साबित करना है।

> विधानसभा सत्र की औपचारिक कार्यवाही के बीच मुख्यमंत्री ने अपना बटुआ खोल दिया। घोषणा यह कि दो अक्तूबर से दो लाख परिवारों को पंद्रह सौ रुपए तथा 300 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी यानी सबसे चर्चित गारंटियों की घंटी बजा दी गई। गारंटियों की यह घंटी जितनी दूर तक सुनी जाएगी, उतनी ही मजबूती से कांग्रेस सरकार अपने मिशन रिपीट की गुल्लक पर विश्वास कर सकती है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने एक तरह से राजनीति का ब्रह्मास्त्र पेश किया है। सियासत की सारी रेवडियां अब सरकार के पलड़े को भारी कर रही है, तो विपक्ष की राजनीति के पास आम जनता की संवेदना से खेलने का कोई त्वरित अवतार दिखाई नहीं देता। जाहिर है इस घोषणा से हिमाचल में आगामी चुनाव का प्रचार सुदृढ़ होगा और इसके तोड़ में भाजपा को अपनी हथेली खोलनी पड़ेगी। राजनीतिक बाजार में हिमाचल भी अब मुफ्त की रोटियां सेंकते मतदाता को देखेगा। यह मसला दो लाख परिवारों का नहीं, बल्कि उन नागरिकों का है जो वोट के बदले इस पारितोषिक का मूल्यांकन करेंगे। समय रहते वादों की अंतिम फेहरिस्त पर हस्ताक्षर करके, मुख्यमंत्री सुक्खू ने विपक्ष को कुछ नया करने की चुनौती दे डाली है। अब तक मुख्यमंत्री दुरुह या कबायली क्षेत्रों की महिलाओं को पंद्रह सौ रुपए प्रदान करने की नीति पर चल रहे थे, लेकिन दो अक्तूबर से एक साथ दो लाख परिवार अगर समूची पूंजी और मुफ्त की बिजली आपूर्ति से लाभान्वित होने जा रहे हैं, तो यह कसौटी पूरे प्रदेश के प्रतिज्ञा पत्र बदल देगी।

कुछ | अलग

जीव मालामाल प्रदूषण कमाल

गए वे दिन जब मैं स्वच्छ जल पीया करता था। अब तो मैं प्रदूषित जल से अपनी प्यास मजे से बुझाता हूं। गए वे दिन जब मैं स्वच्छ आकाश को रातों निहारा करता था। अब तो मैं प्रदूषित आकाश को देख मन के सपने बुझाता हूं। गए वे दिन जब मैं स्वच्छ वायु में सांस लिया करता था। अब तो मैं प्रदूषित वायु में मजे से सांस लेता हूं। गए वे दिन जब मैं स्वच्छ आटा, दाल, सब्जियां खाया करता था। अब तो मैं प्रदूषित आटा, दाल, सब्जियां आंखें मूंद खा पचा लेता हूं। लगता है जैसे अब प्रदूषित अन्न, जल, वायु के बिना अपना जीना मुश्किल हो जाएगा। पहाड़ों से ऊंचे कचरे के पहाड़ों को निहारते निहारते मत पूछो अब मन कितना आनंदित नहीं, परमानंदित होता है। मेरे अचार प्रदूषित हैं, अब मेरे विचार प्रदूषित हैं। मेरे संस्कार प्रदूषित हैं, बट लाइफ हैप्पी हैप्पी है। मेरे हर प्रकार प्रदूषित है, बट लाइफ हैप्पी हैप्पी है।

दृष्टि | कोण

बीमार मानसिकता से मुक्ति की हो ईमानदार कोशिश

बरसों पुरानी बात है, शायद मध्य प्रदेश की है। परिगणित जाति की एक महिला सरपंच एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी से मिलने गयी थीं। काम हो जाने के बाद जब वह सरपंच कार्यालय से चली गयीं तो उस अधिकारी ने वह कुर्सी धुलवाकर 'पवित्र' करवायी थी जिस पर परिगणित जाति की महिला बैठी थी! यह समाचार तब कुछ अखबारों में छपा था। कुछ चर्चा भी हुई थी इसे लेकर। पर जल्द ही यह घटना लोग भूल गये। अपने ढंग की अकेली घटना नहीं थी यह। तथाकथित छोटी-जाति वालों के साथ ऐसा घटता रहता है। कभी घोड़े पर चढ़कर बारात ले जाने वाला कथित छोटा जाति वाला कथित उच्च जाति के गुस्से का शिकार बनता है तो कभी किसी स्कूल में छोटी जाति के बच्चों को पृथक बिठाने का समाचार मिलता है। पर हमारी सामाजिक स्मृति में ऐसी घटनाएं बहुत दिन तक नहीं रहतीं। भूल जाते हैं हम कि हमारे तथाकथित समतामूलक समाज में ऐसा भी कुछ घटा है या घट रहा है। नहीं भुलाया जाना चाहिए ऐसी बातों को। इन्हें याद रखना ज़रूरी है ताकि हमें यह अहसास होता रहे कि प्रगति के सारे दावों के बावजूद हमारी सोच कितनी पिछड़ी हुई है। हाल ही में उत्तराखंड के हल्द्वानी में ऐसी ही एक शर्मनाक घटना घटी थी, जिसे याद रखा जाना ज़रूरी है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ घटी इस घटना का विवरण उन्होंने स्वयं राज्यसभा में दिया था। यह अच्छी बात है कि राज्यसभा में सत्तारूढ़ पक्ष के नेता ने इस प्रकरण की जांच करने का आश्वासन देकर खड़गे जी की पीड़ा पर कुछ मरहम लगाने का काम किया। पर यह पीड़ा सिर्फ खड़गे जी की नहीं है, सिर्फ उनकी ही पीड़ा होनी भी नहीं चाहिए। इस पीड़ा का अहसास उस हर भारतीय को होना चाहिए जो समता और न्याय के आदर्शों में विश्वास करता है, जो यह मानता है कि हमारा संविधान देश के हर नागरिक को समानता का अधिकार देता है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने हल्द्वानी में घटी इस शर्मनाक घटना का विवरण देते हुए बताया था कि यहां मैदान में उनका भाषण था, उस जगह और उस मंच को गंगाजल से धोकर शुद्ध किया गया था। शुद्धीकरण का आयोजन करने वाले कथित उच्च वर्ण वालों का कहना था कि जहां यह सभा हुई थी, वहां रामलीला का आयोजन होता है। इसलिए हवन करके जगह को शुद्ध किया गया! इस अस्वीकार्य घटना की जांच कहां तक पहुंची है, पता नहीं। अक्सर ऐसी घटनाओं को दुर्भाग्यपूर्ण बताकर भुला दिया जाता है। पर होना यह चाहिए कि फिर जब कुछ ऐसा घटे तो हम यह अनुभव करें कि स्वतंत्रता के अस्सी साल बाद भी हम सामाजिक ऊंच-नीच के अभिशाप को ढो रहे हैं। जिस संगठन पर हल्द्वानी की इस घटना का आरोप है उसके सदस्यों का कहना है कि खड़गे जी की सभा जिस मैदान में हुई थी, वहां रामलीला का आयोजन होता है, उस जगह का राजनीतिक इस्तेमाल नहीं होना चाहिए था। किसी भी सोचने-समझने वाले विवेकशील व्यक्ति को यह तर्क समझ नहीं आ सकता। कहा यह जा रहा है कि 'शुद्धीकरण' का यह तमाशा चुनावी राजनीति का हिस्सा है। हो सकता है यह आयोजन करने वालों ने चुनावी राजनीति के संदर्भ में यह सब किया हो, पर बात चुनावी राजनीति की ही नहीं है; मामला राजनीतिक टकराव से कहीं ज्यादा उस बीमार मानसिकता का है जो हमें जातियों, वर्गों, वर्णों में बांटती है।

स्नातक में पढ़ने वाली 50 हजार बेटियों को अक्टूबर-नवंबर में दी जाएंगी स्कूटी : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ,(हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षाबंधन से ठीक पहले नारी शक्ति को कई सौगातें दीं। उन्होंने घोषणा की कि स्नातक में पढ़ने वाली 50 हजार बेटियों को अक्टूबर-नवंबर में स्कूटी दी जाएंगी। मुख्यमंत्री ने बुधवार को ह्यलोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना का शुभारंभ किया, जिसके तहत उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में 60 वर्ष व उससे अधिक आयु की प्रदेश की महिलाएं निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी। योगी ने रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में 27 से 29 अगस्त तक महिला व एक सहकर्मी को निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा दिए जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिलाएं अब चूल्हे से चेक, चेक से कारोबार और कारोबार से टेक्नोलॉजी तक पहुंच रही हैं। इंदिरा प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बुधवार को कहा कि यूपी में लगभग साढ़े 12 करोड़ आधी आबादी है। सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन व नेतृत्व की यात्रा में सहभागी है। हर बेटी-बहन-माता आत्मनिर्भर महसूस करे, यही हमारी नीति है। डबल इंजन सरकार ने बेटी के जन्म से लेकर उसकी पढ़ाई, सुरक्षा, रोजगार, आय और उसके सपनों की उड़ान को ईकोसिस्टम से जोड़ने का काम किया है। उन्होंने बहनों से अपील की कि रक्षाबंधन पर अपने भाई के साथ ही सैनिकों, पूर्व सैनिकों व पुलिस के जवानों को रक्षासूत्र बांधकर सुरक्षा के ईकोसिस्टम को मजबूती प्रदान करने में योगदान दें। योगी ने कहा कि देश जब मुगल आक्रांताओं की चपेट में था, उस समय लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने सुशासन, आध्यात्मिक/सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण व महिला स्वावलंबन का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया था। काशी विश्वनाथ, सोमनाथ समेत देश में सैकड़ों मंदिर का पुनरुद्धार लोकमाता ने किया था। लखनऊ, कानपुर, आगरा, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, झांसी सभी जनपदों में अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास का निर्माण किया जा रहा है। प्रत्येक हॉस्टल में 500 कामकाजी महिलाओं के निःशुल्क रहने की व्यवस्था रहेगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कारण पहली बार आधी आबादी को शासन की योजनाओं से जोड़ने के लिए व्यापक कार्ययोजना बनी। जीवन के हर पड़ाव पर सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन की गारंटी दी है। सरकार का हर निर्णय, योजना व बजट इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समर्पित है। आधी आबादी को पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिले, सरकार ने इसे सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले देख सपाई-बिटिया घबराई का नारा तत्कालीन गवर्नेंस मॉडल का नाम था, जब हर बेटी की सुरक्षा पर संकट था। सुरक्षा,

सम्मान नहीं था तो स्वावलंबन कहां से होता। इंटीग्रेटेड हेल्पलाइन, कमांड सिस्टम, सीसीटीवी नेटवर्क, महिला बीट सिस्टम, महिला हेल्पडेस्क भी नहीं थी। पेंशन व छात्रवृत्ति बिचौलिए तय करते थे। पुष्टाहार पर माफिया का कंट्रोल था। उत्सव से पहले उपद्रव होते थे। कर्फ्यू लगने पर माताओं-बहनों को सर्वाधिक परेशानी होती थी। लैंड, सैंड, वन, पशु, नकल व भू-माफिया प्रदेश की पहचान थे। माफिया सिंडिकेट की समानांतर सत्ता चलती थी। बुंदेलखंड में माताओं की जिंदगी मटके में पानी ढोते-ढोते व्यतीत हो जाती थी। गरीबों के घर में शौचालय नहीं था। वृद्धावस्था, निराश्रित महिला पेंशन, छात्रवृत्ति समेत हर योजना पर कमीशन की काली छाया मंडराती थी। योजनाओं के पैसे बीच में ही गायब हो जाते थे। बेटी के जन्मदिन पर खुशी नहीं, बल्कि चिंता होती थी क्योंकि परिवार को पढ़ाई और शादी का बोझ दिखता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले नकल उद्योग बन चुका था। मेधावी बेटी मेहनत करती थी, लेकिन पैसे वाला माफिया डिग्री नीलाम करता था। बेटी सिर्फ बस पकड़ने से ही नहीं, बल्कि सपना देखने से भी डरती थी। उस दौर को याद कर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। तब दंगा, कर्फ्यू, उपद्रव, असुरक्षा, योजनाओं में बेईमानी व भ्रष्टाचार होता था, लेकिन धर्मचक्र बदला और यूपी में डबल इंजन सरकार आई तो उपद्रव उत्सव में बदल गया। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार उत्तर प्रदेश में महिला बीट पुलिस की तैनाती हुई। यूपी में 2017 में 10 हजार महिला पुलिसकर्मी थीं। अब यह संख्या 45 हजार हो गई है। हमने पुलिस भर्ती में 20 फीसदी बेटियों की भर्ती अनिवार्य की। अभी 32 हजार भर्ती प्रक्रिया में हैं। नई भर्ती के बाद पुलिस बल में महिलाओं की संख्या 50 हजार हो जाएगी। पिछली सरकारों ने पीएसी की 54 कंपनियां समाप्त कर दी थीं। हमने उनके गठन के साथ ही तीन महिला पीएसी बटालियनें (लखनऊ में उदा देवी, गोरखपुर में झलकारी बाई, बदायूं में अवंती बाई) स्थापित कीं। पिंक बूथ, वन स्टॉप सेंटर की अब समुचित व्यवस्था है। शिकायत दर्ज होने के बाद ट्रैकिंग, टाइमलाइन व जवाबदेही भी है। पहले बेटी की सुरक्षा किस्मत पर निर्भर थी, आज सिस्टम, डेटा व टेक्नोलॉजी पर है। बेटी घर से निकले, काम/कारोबार करे और रात में सुरक्षित घर लौट आए, सरकार यह गारंटी दे रही है। योगी ने कहा कि आय करने वाली महिला के निर्णय लेने की क्षमता और पहचान बनाने वाली महिला का आत्मविश्वास बढ़ता है। जिस महिला का आर्थिक योगदान है, उसके कारण गांव व परिवार की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। 8000 न्याय पंचायतों में डिजिटल इंटरप्रेन्योर की आधी संख्या महिलाओं की होगी। सरकार आधी आबादी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी। महिलाएं स्वयं सहायता समूह के माध्यम से खेती, पशुपालन, फूड प्रोसेसिंग, रिटेल, हैंडीक्राफ्ट आदि स्थानीय गतिविधियों का संचालन कर रही हैं। बीसी सखी गांव-गांव में बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रही हैं। नमो ड्रोन दीदी कृषि क्षेत्र में नई क्रांति ला रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को प्रतिनिधित्व मिलना चैरिटी नहीं, बल्कि इकॉनमिक इंटीग्रेशन है। पंचायत व स्थानीय निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ा है। बेटियां ओलंपिक, एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ, विश्व, नेशनल चैंपियनशिप में पदक जीत रही हैं। हाल में कॉमनवेल्थ गेम्स में उत्तर प्रदेश की सब इंस्पेक्टर अस्मिता डे ने स्वर्ण पदक जीता। त्रिपुरा में जन्मी इस बेटी को यूपी में सही माहौल व प्लेटफॉर्म मिला। प्रशासन, सेना, शिक्षा, स्टार्टअप समेत हर क्षेत्र में आधी आबादी नेतृत्व दे रही है। प्रयास है कि आधी आबादी को उसी अनुपात में प्रतिनिधित्व प्राप्त हो। सीएम ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का भी जिक्र करते हुए कहा कि सपा व कांग्रेस ने इसका विरोध कर दिया। समारोह में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद ब्रजलाल, विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल, अवनीश सिंह, उमेश द्विवेदी, विधायक नीरज बोरा, अमरेश कुमार, ओपी श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

अखिलेश यादव का आधी आबादी को आर्थिक सशक्तीकरण बनाने का दावा, स्त्री सम्मान समृद्धि योजना' का किया ऐलान

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को महिलाओं को आर्थिक सशक्तीकरण के लिए ह्यस्त्री सम्मान समृद्धि योजनाह्न शुरू करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि देश और समाज की प्रगति आधी आबादी यानी महिलाओं की तरक्की के बिना अधूरी है। आने वाले समय में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर इस योजना के तहत महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये दिए जाएंगे। भविष्य में इस राशि को बढ़ाने का भी प्रावधान किया जाएगा। अखिलेश यादव राजधानी लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित के रहे थे। उन्होंने कहा कि यह योजना ह्यआधी आबादी की पूरी आजादीह्न के संकल्प का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए समाजवादी सरकारों में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं और आगे भी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में जिन विद्यार्थियों को लैपटॉप दिए गए थे, उनमें से कई आज भी उनका इस्तेमाल कर रहे होंगे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर इंटरमीडिएट पास करने वाली बेटियों को भी लैपटॉप देकर उन्हें उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर दिया जाएगा। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके लिए नारी केवल नारा बनकर रह गई

है। महिला आरक्षण कानून पारित हो चुका है, लेकिन इसे लागू करने में देरी की जा रही है। उन्होंने मांग की कि महिला आरक्षण को अगले चुनाव में ही लागू किया जाना चाहिए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश में महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि उत्तर प्रदेश में बेटियों के साथ सबसे ज्यादा अन्याय हो रहा है। उन्होंने खुशी दुबे प्रकरण का उल्लेख करते हुए सरकार पर महिलाओं के साथ अन्याय और अपमान का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लखनऊ में अग्निकांड की घटना के दौरान मुख्यमंत्री माँ के सामने कह रहे थे कि हम भाषण सुनने के मूड में नहीं हैं, खुशी दुबे को जेल भेजे जाने का मामला महिलाओं के प्रति सरकार के रवैये को दशार्ता है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाज में जो व्यक्ति पीड़ित, दुखी और अपमानित है, वही पीडीए है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ऐसे सभी वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाएगी। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी महिलाओं, युवाओं, किसानों और वंचित वर्गों के हितों को केंद्र में रखकर अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएगी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर प्रदेश में बंद किए गए 26 हजार प्राथमिक विद्यालयों को फिर से शुरू किया जाएगा। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और बच्चों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने का भी दावा किया। सपा सांसद डिंपल यादव ने भी योजना को लेकर कहा कि महिलाओं को सालाना 40 हजार रुपये देने का प्रावधान किया जाएगा। इसका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना है। पार्टी की ओर से योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और अन्य शर्तों की विस्तृत जानकारी आगे जारी किए जाने की संभावना है।

हिजाब की आड़ में संकीर्ण राजनीति नहीं होनी चाहिए : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। हिजाब विवाद पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि ऐसे मामलों को ज्यादा बड़ा कर कानूनी विवाद बनाने के बजाय स्कूल प्रबंधन और शासन-प्रशासन की मदद से आपस में सुलझा लेना चाहिए। इसकी आड़ में संकीर्ण राजनीति नहीं होनी चाहिए। मायावती ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबी पोस्ट में लिखा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सभी जाति और धर्मों के लोगों को समान अधिकार देने वाला संविधान देकर देश को एकता के सूत्र में बांधने और सशक्त भारत के निर्माण की गारंटी सुनिश्चित की है। इसके तहत सभी धर्म के ग्रंथों व उनके धार्मिक रीति-रिवाज व मान्यताओं के आधार पर शांत एवं सुखी जीवन जीने का अधिकार है। इसकी अनदेखी करने व दखल देने के बजाय सभी को उसकी पवित्रता का सम्मान करना

चाहिये। उन्होंने आगे लिखा कि महिलाओं की गरिमा, सम्मान और पर्दे जैसे विषयों को संवेदनशीलता से देखा जाना चाहिए। उनके मुताबिक स्कूल यूनिफॉर्म, चादर या हिजाब जैसे मुद्दों को ज्यादा बड़ा बनाकर कोर्ट-कचहरी में विवाद का कानूनी मुद्दा बनाने के बजाय, स्कूल प्रबंधन और शासन-प्रशासन की आपसी समझ व सूझबूझ से सुलझा लेना चाहिये, ताकि किसी को भी इसकी आड़ में संकीर्ण राजनीति करने का मौका ना मिल पाये। मायावती ने यह भी कहा कि बसपा हर समाज की सुरक्षा और सम्मान की गारंटी देने वाली अंबेडकरवादी पार्टी है, जिसका मानना है कि किसी भी धर्म, धार्मिक ग्रंथ व धार्मिक प्रचलन, मान्यताओं के संवेदनशील मामलों पर सभी लोग टिका-टिप्पणी करने से बचें तो यह देश व जनहित में होगा। साथ ही उन्होंने बदायूं में अंबेडकर की प्रतिमा को लेकर चल रहे विवाद को भी जल्द सुलझाने की मांग की।

एमएमडीआर संशोधन राज्य और राष्ट्रहित में, झामुमो-कांग्रेस फैला रहे भ्रम : रघुवर दास

रांची, (हि.स.)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से हाल में लाया गया खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 (एमएमडीआर) राज्य और राष्ट्रहित में है। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस संशोधन की गलत व्याख्या कर लोगों के बीच भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं। रघुवर दास बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि एमएमडीआर संशोधन झारखंड के हितों के खिलाफ नहीं, बल्कि राज्य को उसकी खनिज संपदा का अधिकतम लाभ दिलाने और वैध खनन को पारदर्शी बनाने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि झामुमो-कांग्रेस के संरक्षण में धनबाद, बोकारो, चतरा, हजारीबाग, साहेबगंज, दुमका और शिकारीपाड़ा समेत कई क्षेत्रों में

कोयला, बालू और पत्थर के अवैध कारोबार से जुड़े सिंडिकेट सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान जल, जंगल, जमीन की बात कर सत्ता में आने वाले लोगों ने सत्ता संभालने के बाद राज्य के प्राकृतिक संसाधनों को कथित रूप से सिंडिकेट के हवाले कर दिया। उन्होंने वर्तमान सरकार पर झारखंड के खनिज संसाधनों की लूट को संरक्षण देने का आरोप लगाया। रघुवर दास ने पत्थर के अवैध खनन से जुड़े मामलों में झामुमो के नेताओं और सरकार के एक मंत्री के जेल जाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसे दलों से एमएमडीआर संशोधन पर किसी प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री दास ने कहा कि मौजूदा विवाद केवल 11 हजार करोड़ रुपये के उपकर (सेस) तक सीमित नहीं है। असली सवाल यह है कि क्या वित्तीय अनिश्चितता का माहौल बनाकर राज्य में आने वाले बड़े निवेश, उत्पादन, रोजगार और औद्योगिक विकास की संभावनाओं को प्रभावित किया जाए। उन्होंने दावा किया कि खनन क्षेत्र से मिलने वाले कुल कर और वैधानिक भुगतानों का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा सीधे राज्यों को मिलता है और यह व्यवस्था आगे भी जारी रहेगी। रघुवर दास ने कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने 2015 में रॉयल्टी के अलावा खनन प्रभावित जिलों के विकास के लिए जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के माध्यम से अतिरिक्त राशि उपलब्ध कराने की व्यवस्था की थी। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज, डीएमएफटी और राज्य की वैध खनिज आय की पर्याप्त सुरक्षा होनी चाहिए।

पीपुल्स एकेडमी में 27 अगस्त को जुटेंगे शहर के प्रधानाचार्य

पूर्वी सिंहभूम, (हि.स.)। झारखंड की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने और स्कूलों में मौजूद बुनियादी समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान की दिशा तय करने के उद्देश्य से 6 सितंबर को माइकल जॉन ऑडिटोरियम में सेमिनार आयोजित किया जाएगा। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय की पहल पर होने वाले इस कार्यक्रम का विषय शिक्षकों का सम्मान, शिक्षा का उत्थान रखा गया है। सेमिनार की तैयारियों को लेकर 27 अगस्त को न्यू बाराद्वारी स्थित पीपुल्स एकेडमी में शहर के सभी प्रधानाचार्यों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। सरयू राय ने बुधवार को अपने आवासीय कार्यालय में हुई बैठक में बताया कि 27 अगस्त की बैठक में प्रत्येक विद्यालय से एक योग्य एवं उत्कृष्ट शिक्षक का चयन कर उनका नाम देने को कहा जाएगा। चयनित शिक्षकों को 6 सितंबर को आयोजित सेमिनार में सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्कूलों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए विद्यालय सर्वेक्षण से संबंधित फार्म भी प्रधानाचार्यों को भेजे गए हैं। प्रधानाचार्यों से इन फार्मों को भरकर 27 अगस्त की बैठक में लाने को कहा गया है। विधायक ने कहा कि सर्वे के माध्यम से विद्यालयों में भवन और अन्य आधारभूत सुविधाओं, विद्यार्थियों की संख्या, शिक्षकों की उपलब्धता, पढ़ाई-लिखाई की स्थिति सहित विभिन्न पहलुओं की जानकारी जुटाई जाएगी। उन्होंने बताया कि प्राथमिक और मध्य विद्यालयों की स्थिति को लेकर तैयार प्रश्नावली में आधारभूत संरचना, शिक्षण व्यवस्था, शिक्षकों की उपलब्धता, विद्यार्थियों की संख्या और अन्य आवश्यक बिंदुओं से जुड़े सवाल शामिल किए गए हैं। सर्वेक्षण के परिणाम के आधार पर विद्यालयों की समीक्षा की जाएगी।

रक्षाबंधन से पहले मिलावटखोरों पर कसेगा शिकंजा, डीसी ने दिए सघन जांच और छापेमारी के निर्देश

पश्चिमी सिंहभूम, (हि.स.)। जिले में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिला उपायुक्त मनीष कुमार ने बुधवार को वर्चुअल बैठक कर अधिकारियों को रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर विशेष सतर्कता बरतने और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की लगातार जांच करने का निर्देश दिया। बैठक में जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारी, चिकित्सा पदाधिकारी और खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी शामिल हुए। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि पर्व-त्योहार के दौरान मिठाइयों और अन्य खाद्य सामग्री की मांग अचानक बढ़ जाती है। इसी का फायदा उठाकर कुछ लोग खाद्य पदार्थों में मिलावट कर सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसी किसी भी गतिविधि को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाए और रक्षाबंधन को देखते हुए अभी से व्यापक जांच अभियान चलाया जाए। उन्होंने जिले के सभी

क्षेत्रों में संचालित मिठाई दुकानों, खाद्य प्रतिष्ठानों और अन्य संबंधित दुकानों का गहन निरीक्षण करने को कहा। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच करने के साथ संदिग्ध सामग्री के नमूने लेकर उन्हें नियमानुसार जांच के लिए भेजने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने नियमित निगरानी के साथ प्रभावी छापेमारी अभियान चलाने पर भी जोर दिया। डीसी ने स्पष्ट किया कि जांच में मिलावटी या निर्धारित मानकों के विपरीत खाद्य पदार्थ पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति या प्रतिष्ठान को पर्व के दौरान बढ़ी मांग का लाभ उठाकर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मनीष कुमार ने कहा कि मिलावटी खाद्य पदार्थों का सेवन आम लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। इसलिए खाद्य पदार्थों की शुद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारियों, चिकित्सा पदाधिकारियों और खाद्य सुरक्षा पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ अभियान चलाने और संदिग्ध खाद्य सामग्री की बिक्री पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखते हुए जांच अभियान में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं होनी चाहिए। जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर लगातार नजर रखी जाएगी और मिलावट के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

महिलाओं की उन्नति ही बिहार की प्रगति है : सम्राट चौधरी

पटना, (हि.स.)। रक्षाबंधन के अवसर पर बिहार की बेटियों और बहनों के सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा, सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को तीन महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरूआत की। पटना के ज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पुलिस दीदी (अभया ब्रिगेड) के लिए 4,700 दोपहिया वाहनों का लोकार्पण और उन्हें हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने मुख्यमंत्री को राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन का यह अवसर बेटियों और बहनों की सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी ही समृद्ध बिहार की पहचान है और सरकार का लक्ष्य है कि महिलाएं अपनी प्रतिभा एवं क्षमता के बल पर राज्य की प्रगति में महत्वपूर्ण भागीदार बनें। मुख्यमंत्री ने पुलिस दीदी (अभया ब्रिगेड) के लिए 4,700 स्कूटर और मोटरसाइकिल का लोकार्पण करते हुए कहा कि इन वाहनों से महिला पुलिसकर्मी स्कूल-कॉलेज जाने वाली छात्राओं की सुरक्षा और संरक्षण के साथ महिला सुरक्षा से जुड़े कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि बिहार पुलिस में करीब 40 हजार महिला पुलिसकर्मी कार्यरत हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, देश के किसी भी राज्य के पुलिस बल में महिला पुलिसकर्मियों की इतनी बड़ी संख्या नहीं है। कार्यक्रम के दौरान सम्राट चौधरी ने 'मुख्यमंत्री बालिका पीएचडी फेलोशिप' योजना का भी शुभारंभ किया। इसके तहत करीब 1,000 छात्राओं को चार वर्षों तक हर महीने 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों को उच्च शिक्षा और शोध के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इस योजना का उद्देश्य छात्राओं को शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने 'बिहार की बेटी स्टार्टअप चैलेंज योजना' की भी शुरूआत की। इसके तहत महिला उद्यमियों को अपने नवाचार और उद्यम को आगे बढ़ाने के लिए 50 हजार से दो लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जाएगी। योजना से 2,100 महिलाओं को लाभ मिलने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे बिहार की बेटियों में उद्यमिता, नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा तथा उन्हें अपने व्यवसायिक विचारों को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की अर्थव्यवस्था में जीविका दीदियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनके अनुसार, राज्य की करीब 43 लाख जीविका दीदियां लखपति दीदी बन चुकी हैं और जीविका दीदियों का अर्थव्यवस्था में करीब 1.36 लाख करोड़ रुपये का योगदान है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में एक करोड़ और जीविका दीदियों को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए पशुपालन, दुग्ध उत्पादन समेत विभिन्न क्षेत्रों में अभियान जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में आपातकालीन सेवा 112 का रिस्पॉन्स टाइम अब 10 मिनट से कम हो गया है। नई व्यवस्थाओं के लागू होने के बाद इसे घटाकर पांच से सात मिनट से भी कम करने का लक्ष्य है। इससे महिलाओं समेत सभी नागरिकों को आपात स्थिति में जल्द सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य एक करोड़ महिलाओं को जीविका, दुग्ध उत्पादन, पशुपालन और अन्य रोजगार गतिविधियों से जोड़ना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में पंचायतों और नगर निकायों के चुनाव में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में 50 प्रतिशत से अधिक, करीब 59 प्रतिशत महिलाएं जनप्रतिनिधि के रूप में चुनकर आ रही हैं।

तुलसीदास जी की वाणी में राम केवल आराध्य नहीं, आदर्श जीवन-मूल्यों के प्रतीक : संजय सरावगी

पटना, (हि.स.)। गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती सप्ताह के अवसर पर सनातन संस्कृति चेतना परिषद के तत्वावधान में आज रविंद्र भवन, पटना में तुलसी के राम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिक्षा मंत्री मिथिलेश कुमार तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी भी शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने अपनी रचनाओं के माध्यम से भगवान श्रीराम के चरित्र को जन-जन तक पहुंचाने का महान कार्य किया। तुलसीदास जी

की वाणी में राम केवल आराध्य नहीं, बल्कि समाज के लिए आदर्श जीवन-मूल्यों के प्रतीक हैं। मर्यादा, त्याग, करुणा, सत्य, सेवा और कर्तव्यबोध जैसे गुण भगवान श्रीराम के चरित्र से हमें निरंतर प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि तुलसी के राम का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना सदियों पहले था। बदलते समय में जब समाज के सामने अनेक चुनौतियां हैं, तब श्रीराम के आदर्श हमें संयम, सद्भाव और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की ऐसी समृद्ध परंपरा है, जो मानवता, संस्कार और सामाजिक समरसता का संदेश देती है। प्रदेश अध्यक्ष सरावगी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस के माध्यम से भारतीय समाज को संस्कार और संस्कृति से जोड़ने का काम किया। आज आवश्यकता है कि हम नई पीढ़ी को भगवान श्रीराम के आदर्शों, तुलसीदास जी के साहित्य और भारतीय संस्कृति की महान परंपरा से परिचित कराएं। राम के आदर्श परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीराम का जीवन हमें यह सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी सत्य और धर्म के मार्ग से विचलित नहीं होना चाहिए।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में लगातार तीसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 220 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 240 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है।

नई दिल्ली

कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,63,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,63,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,63,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,63,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,50,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,63,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अगले दशक में भारत को बुनियादी ढांचा क्षेत्र में 4.5 लाख करोड़ के निवेश की दरकार

नई दिल्ली। देश में आर्थिक उदारीकरण शुरू होने के पांच साल बाद 1996 में अर्थशास्त्री राकेश मोहन ने वित्त मंत्रालय को अहम दस्तावेज सौंपा। इस दस्तावेज ने भारत के अवसंरचना या बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परिभाषा ही बदल दी। मोहन उस समय राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) के महानिदेशक हुआ करते थे। भारतीय अवसंरचना रिपोर्ट शीर्षक नाम से मोहन के इस दस्तावेज में वैश्विक रुझानों और आर्थिक वृद्धि की रफ्तार बढ़ाने के भारत की महत्त्वाकांक्षाओं का जिक्र किया गया था। इस दस्तावेज में उस क्षेत्र में निजी क्षेत्र की ज्यादा भागीदारी पर जोर दिया जिसमें सरकार का दबदबा था। इस रिपोर्ट ने उन कई सुधारों का रास्ता भी साफ हो गया जो भारत में आने वाले सालों में अपनाए गए थे। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि अगले दशक में भारत को बुनियादी ढांचा क्षेत्र में 4.5 लाख करोड़ रुपए के निवेश की दरकार होगी। साथ ही, इसमें कहा गया था कि निजी निवेश की हिस्सेदारी 5 फीसदी से बढ़ाकर 44 फीसदी करने की जरूरत है। इसके बाद के सालों में सरकार को एहसास हुआ कि जर्जर हो रहे अवसंरचना क्षेत्र को निजी निवेश के लिए खोलना बहुत जरूरी है।

ग्राहकों को महिंद्रा ने दिया अब 7-सीटर के साथ आरामदायक विकल्प

नई दिल्ली। स्वदेशी वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा ने अपनी लोकप्रिय इलेक्ट्रिक एसयूवी,एक्सईवी 9एस का एक नया 6-सीटर संस्करण लान्च किया है, जिससे ग्राहकों को अब 7-सीटर के साथ एक और आरामदायक विकल्प मिल गया है। नए 6-सीटर संस्करण की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 25.25 लाख रुपये निर्धारित की गई है, जो आरामदायक यात्रा चाहने वाले ग्राहकों को लक्षित करता है। अब तक महिंद्रा एक्सईवी 9एस केवल 7-सीटर व्यवस्था में उपलब्ध थी, जिसमें दूसरी कतार में एक बेंच सीट होती थी। नए 6-सीटर संस्करण में, कंपनी ने इस व्यवस्था को बदलकर दो अलग-अलग कैप्टन सीटें लगाई हैं। ये सीटें पर्याप्त जगह और अलग आर्मरेस्ट प्रदान करती हैं, जिससे लंबी यात्राओं में दूसरी कतार में बैठे यात्रियों को पहले से कहीं अधिक आराम मिलता है। यह बदलाव उन परिवारों के लिए विशेष रूप से उपयोगी हो सकता है जो कार में यात्रियों की संख्या से ज्यादा उनके आराम और व्यक्तिगत जगह को प्राथमिकता देते हैं, जिससे कार का अंदरूनी हिस्सा भी अधिक प्रीमियम दिखाई देता है। महिंद्रा ने स्पष्ट किया है कि 6-सीटर विकल्प एक्सईवी 9एस के सभी संस्करणों में उपलब्ध नहीं होगा। यह सुविधा पेक टू अबोव, पेक थ्री और पेक थ्री अबोव जैसे उच्च संस्करणों के साथ ही मिलेगी, जबकि शुरुआती पेक वन अबोव में यह विकल्प नहीं दिया जाएगा। एक महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि समान संस्करण के 7-सीटर माडल की तुलना में 6-सीटर व्यवस्था के लिए ग्राहकों को केवल 25,000 रुपये अतिरिक्त चुकाने होंगे, जो इस प्रीमियम अनुभव के लिए एक मामूली वृद्धि है।

स्कोडा आटो फोक्सवैगन इंडिया की भारतीय ईवी बाजार में प्रवेश करने की योजना

नई दिल्ली। भारत के तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए स्कोडा आटो फोक्सवैगन इंडिया (एसएवीडब्ल्यूआई) एक बहुआयामी रणनीति पर गंभीरता से विचार कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एसएवीडब्ल्यूआई वैश्विक माडलों के आयात, स्थानीय स्तर पर असेंबली और देश में ही इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण जैसे विभिन्न विकल्पों का मूल्यांकन कर रही है। उनका मुख्य लक्ष्य भारतीय बाजार के लिए प्रासंगिक सही माडल की पहचान करना और उसका सफल स्थानीयकरण करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वैश्विक स्तर पर पूरी तरह से तैयार वाहनों (एफबीयू) के आयात से बाजार में अपेक्षाकृत जल्दी प्रवेश किया जा सकता है। इसके अलावा आयातित पुर्जों का उपयोग करके स्थानीय स्तर पर वाहनों को असेंबल करना भी एक व्यवहार्य विकल्प है। उन्होंने स्थानीय रूप से ईवी विकसित करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को भी दोहराया, हालांकि स्वीकार किया कि इस प्रक्रिया में काफी समय लगता है।

जुलाई में मानसून सुधार से खरीफ बोआई सामान्य के करीब, घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत दिखी

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की अर्थव्यवस्था की स्थिति रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में दक्षिण-पश्चिम मानसून में सुधार होने से खरीफ बोआई को सामान्य के करीब लाने में मदद मिली। इससे कृषि क्षेत्र के लिए जोखिम आंशिक रूप से कम हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू अर्थव्यवस्था ने वैश्विक चुनौतियों के प्रति काफी मजबूती दिखाई है, जिसका संकेत घरेलू मांग में उछाल और विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों से मिलता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून जून में सुस्त रहने के बाद जुलाई में काफी सक्रिय दिखा। ऐसे में देश भर के जलाशयों का भंडारण एक दशक के औसत के करीब और पिछले अल नीनो वर्ष 2023 के स्तर से ऊपर रहा। जून के आखिर में बारिश की कमी कुल मिलाकर 38 फीसदी थी जो घटकर जुलाई के अंत तक 13 फीसदी रह गई है।

हालांकि यह स्पष्ट किया गया है कि इस रिपोर्ट में बताई गई बातें लेखकों की निजी राय हैं और वे आरबीआई की राय को नहीं दर्शाती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस वर्ष खरीफ बोआई की अस्थायी प्रगति 2023 के मुकाबले बेहतर रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगस्त से सितंबर के लिए देश भर में मानसून की बारिश सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई में मानसून की गतिविधियों में सुधार होने से खरीफ फसलों के रकबे में सुधार हुआ।

सरकार ने आपूर्ति बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष के लिए खुले बाजार में बिक्री योजना (ओएमएसएस) की भी घोषणा की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वाहन और ट्रैक्टर बिक्री समेत कई संकेतकों से घरेलू मांग दमदार बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की वृहद आर्थिक बुनियादी स्थिति दमदार रहने से घरेलू अर्थव्यवस्था को सहारा मिला। पहली तिमाही में दिखी यह रफ्तार जुलाई में भी जारी रही। अधिकतर संकेतक विनिर्माण और सेवा गतिविधियों में तेजी की रफ्तार जारी रहने और वस्तुओं के निर्यात एवं आयात में दो अंकों की वृद्धि को दर्शाते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पेट्रोलियम उत्पादों की खपत वृद्धि तीन महीनों की नरमी के बाद सकारात्मक हो गई है। इसी प्रकार औद्योगिक उत्पादन में भी जून में तेज वृद्धि हुई। इसे मुख्य तौर पर विनिर्माण में तेजी से रफ्तार मिली। रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य और पेय पदार्थों के कारण जुलाई में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में मामूली वृद्धि हुई लेकिन कीमती धातुओं को छोड़कर मुख्य मुद्रास्फीति मध्यम बनी रही। बढ़ती ऋण मांग के साथ हाल के महीनों में जमा और ऋण दरों में भी मजबूती आई है। जून 2026 में एफडीआई निवेश पिछले महीने के मुकाबले बेहतर रहा। जून 2026 में शुद्ध एफडीआई 1.3 अरब डालर रहा जबकि मई 2026 में यह (-) 0.1 अरब डालर और जून 2025 में 2.3 अरब डालर था।

गूगल चीन से स्मार्टफोन, स्मार्टवाच का उत्पादन भारत में कर रहा स्थानांतरित

नई दिल्ली। हाल ही में भारत में गूगल कंपनी ने अपनी नई पिक्सल 11 सीरीज लान्च की है। खबर है कि गूगल चीन से पिक्सल स्मार्टफोन, स्मार्टवाच और वायरलेस ईयरबड्स का उत्पादन भारत में स्थानांतरित कर रहा है, जिससे भारत एक प्रमुख विनिर्माण और विकास केंद्र के रूप में उभरा है। भारत सरकार की स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली नीतियों और तेजी से विकसित हो रहे इलेक्ट्रानिक्स पारिस्थितिकी तंत्र ने गूगल जैसे वैश्विक प्रौद्योगिकी ब्रांडों को आकर्षित किया है। गूगल पहले ही अगस्त 2024 में पिक्सल 8 के साथ भारत में चुनिंदा पिक्सल स्मार्टफोन माडल का स्थानीय उत्पादन शुरू कर चुका है, और अब फाक्सकान जैसे प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं के साथ साझेदारी कर इसे बढ़ाया है। गूगल इंडिया में डिवाइसेज एंड सर्विसेज के प्रबंध निदेशक मितुल शाह ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य हमेशा उपभोक्ताओं की वास्तविक समस्याओं का समाधान करना रहा है, ताकि वे तकनीक का सहज अनुभव प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान भारतीय उपभोक्ताओं की दैनिक जरूरतों से जुड़ी वास्तविक चुनौतियों को हल करने पर केंद्रित है। पिक्सल 11 श्रृंखला इसी सोच का प्रतिनिधित्व करती है, जिसमें हार्डवेयर, एआई और दीर्घकालिक उपयोगिता को एक साथ जोड़ा गया है। पिक्सल की 11वीं पीढ़ी के स्मार्टफोन अधिक टिकाऊ हार्डवेयर, उन्नत कैमरा प्रणाली और अधिक सक्रिय जेमिनी एआई सुविधाओं के साथ पेश किए गए हैं।

ईरान-अमेरिका युद्ध से परेशान एनआरआई भारत में खरीद रहे महंगे मकान

मुंबई, बेंगलूरु और एनसीआर में 1 से 5 करोड़ के अपार्टमेंट करा रहे बुक

नई दिल्ली

ईरान युद्ध के चलते प्रवासी भारतीय भारत में महंगे मकान खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। रियल एस्टेट कंपनियों के मुताबिक करीब छह महीने से जारी ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में अनिश्चितता के बीच एनआरआई भारत में लक्जरी मकान खरीदने के लिए बातचीत बढ़ा रहे हैं। पूर्वंकरा सीईओ ने कहा कि एनआरआई की दिलचस्पी बढ़ती दिख रही है। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में हमारी प्री-सेल्स में एनआरआई की हिस्सेदारी 9 फीसदी थी, जो चौथी तिमाही में बढ़कर 13 फीसदी और वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 15 फीसदी तक पहुंच गई है।

खास बात यह है कि एनआरआई की तरफ से आ रही मांग का करीब 87 फीसदी हिस्सा पश्चिम एशिया से है। उन्होंने कहा कि खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह देशों बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई में रहने वाले एनआरआई भारत को निवेश का स्थिर और लंबे समय का ठिकाना मान रहे हैं। इस साल 28 फरवरी को लड़ाई छिड़ने के बाद से जीसीसी देशों में अमेरिकी ठिकानों पर ईरान के हमले होते रहे हैं। रियल एस्टेट डेवलपरों और अधिकारियों का कहना है कि एनआरआई मुंबई, बेंगलूरु और एनसीआर में 1 से 5 करोड़ रुपए के अपार्टमेंट बुक करा रहे हैं। लोढ़ा डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए कंपनी की अर्निंग्स काल के दौरान अनुमान लगाया कि यह रुझान पिछले साल से उलटा हो सकता है।

उन्होंने कहा कि विदेश में उथल-पुथल के कारण एनआरआई भारत में सुरक्षित ठिकाना तलाशेंगे। हमें उम्मीद है कि आव्रजन से जुड़ी वजहों से अमेरिका में रहने वाले खरीदार भी ऐसा ही करेंगे। पिछले साल भारत से करीब 35,000 करोड़ रुपए का निवेश दुबई के रियल एस्टेट में हुआ था। अब उसका एक बड़ा हिस्सा भारत में ही रहेगा। उन्होंने कहा कि मांग पर युद्ध का असर कम है। पश्चिम एशिया से आने वाले एनआरआई खरीदारों का कंपनी की कुल बिक्री में करीब 4-5 फीसदी योगदान रहता है।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

न्यूयार्क। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। कीमतों में ये गिरावट वैश्विक आपूर्ति मार्ग होर्मुज पर तनाव में कमी से आई है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेज गिरावट दर्ज की गई। इससे अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड 2 फीसदी ने फिसलकर 80 डालर प्रति बैरल के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर के करीब आ गया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड भी लगभग 2.25 फीसदी की गिरावट के साथ ही 85 डालर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। इस गिरावट के पीछे मुख्य कारण विश्व के प्रमुख तेल आपूर्ति मार्गों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव कम होनो है जिससे जहाजों का आवागमन बेहतर हुआ है। ईरान और ओमान के बीच इस प्रमुख समुद्री मार्ग से जहाजों की आवाजाही को बेहतर बनाने बातचीत जारी है।, इन देशों के बीच चल रही वार्ताओं से यह उम्मीद जगी है कि आने वाले समय में तेल वाहक जहाजों की आवाजाही आसान हो जाएगी। रिपोर्टों के अनुसार, दोनों देश एक अस्थायी समुद्री मार्ग स्थापित करने और समुद्र में मौजूद बारूदी सुरंगों को हटाने पर भी विचार कर रहे हैं।

विदेशी यात्रियों की आवाजाही प्रभावित होने के बाद भी भारत में होटलों ने की कमाई

घूमने-फिरने वाली जगहों के होटलों का प्रदर्शन बड़े कारोबारी शहरों के मुकाबले बेहतर रहा

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में तनाव के कारण विदेशी यात्रियों की आवाजाही प्रभावित हुई, फिर भी भारत में होटल की मांग मजबूत बनी रही। घूमने-फिरने, शादियों और बड़े कारोबारी कार्यक्रमों के लिए होटल की मांग ने सेक्टर को सहारा दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में होटल सेक्टर की प्रति उपलब्ध कमरे से होने वाली कमाई करीब 10 फीसदी बढ़ी। कमरे का औसत किराया 6 फीसदी बढ़ा और कमरों की भराव दर करीब 2.33 फीसदी बढ़कर 65 फीसदी पहुंची यानी होटल कंपनियां ज्यादा कमरे चढ़ाने के साथ उनका किराया भी बढ़ाने में कामयाब रहीं। निवेशकों के लिए यही इस सेक्टर की सबसे अहम बात है।

रिपोर्ट के मुताबिक पहली तिमाही में मुंबई और घूमने-फिरने वाली जगहों के होटलों का प्रदर्शन बड़े कारोबारी शहरों के मुकाबले बेहतर रहा। इसके पीछे घरेलू यात्रियों की बड़ी भूमिका रही। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा प्रभावित हुई और विदेशी पर्यटकों की संख्या पर दबाव पड़ा। इसके बावजूद देश के अंदर घूमने वाले लोगों और बड़े कार्यक्रमों की मांग ने होटल कारोबार को संभाले रखा। निवेशकों के लिए इसका मतलब है कि होटल कंपनियां अब सिर्फ विदेशी पर्यटकों या कारोबारी यात्रियों पर निर्भर नहीं हैं। घरेलू पर्यटन भी उनकी कमाई का बड़ा सहारा बन रहा है।

इंडियन होटल्स की पहली तिमाही में कुल आमदनी 15 फीसदी बढ़ी। कंपनी को होटल चलाने से मिलने वाली फीस में बढ़ोतरी और नए कारोबार को जोड़ने का फायदा मिला। लीला पैलेसेज की कारोबारी आमदनी 28 फीसदी बढ़ी। कंपनी को देश के अंदर घूमने वाले लोगों की मजबूत मांग का फायदा मिला। वेंटिव हास्पिटैलिटी के भारतीय कारोबार की आमदनी करीब 20 फीसदी बढ़ी। वहीं शैले होटल्स के मुख्य होटल कारोबार की आमदनी 10 फीसदी बढ़ी। लेमन ट्री होटल्स की आमदनी करीब 9 फीसदी बढ़ी। कंपनी अपने खुद के होटल बढ़ाने के साथ ऐसे कारोबार पर भी जोर दे रही है, जिसमें दूसरे मालिकों के होटल चलाकर फीस कमाई जाती है। लेमन ट्री के अपने आंकड़ों के मुताबिक पहली तिमाही में उसकी आमदनी करीब 9 फीसदी बढ़ी और मुनाफा करीब 20 फीसदी बढ़ा है।

रिपोर्ट के मुताबिक दूसरी तिमाही की शुरुआत अच्छी रही है। आगे शादियों का व्यस्त सीजन भी होटल कंपनियों के लिए मांग बढ़ा सकता है। इसके अलावा ब्रिक्स सम्मेलन जैसे बड़े कार्यक्रमों से भी होटल बुकिंग को सहारा मिलने की उम्मीद है। तीसरी तिमाही से विदेशी पर्यटकों की संख्या में सुधार हुआ तो होटल कंपनियों को घरेलू यात्रियों के साथ विदेश से आने वाले ग्राहकों का भी फायदा मिल सकता है यानी निवेशकों के लिए अगली कुछ तिमाहियां काफी अहम रहने वाली हैं।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशिया में भी खरीदारी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है।

कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट और बान्ड यील्ड में कमी होने की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार पाजिटिव सेंटीमेंट बना रहा, जिससे वाल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.32 प्रतिशत उछल कर 7,677.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 171.11 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,151.30 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत मजबूत होकर 53,601.91 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोप के बाजार पिछले सत्र के दौरान दिन भर मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद आखिरी वक्त में हुई मुनाफा वसूली के कारण मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.29 प्रतिशत उछल कर 10,886.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 159.54 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की छलांग लगा कर 26,266.14 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स आखिरी वक्त में हुई बिकवाली के कारण अपनी सारी बढ़त गंवा कर 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,439.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक की चाल में गिरावट नजर आ रही है। एशियाई बाजार में इकलौता स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.17 प्रतिशत टूट कर 5,726.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,527.50 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,512.06 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में जोरदार तेजी का रुख बना हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 132.11 अंक यानी 1.96 प्रतिशत की उछाल के साथ 6,874.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने भी बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 598.23 अंक यानी 1.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 45,767.69 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 196.90 अंक यानी 0.77 प्रतिशत उछल कर 25,708 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.70 प्रतिशत की उछाल के साथ 3,916.83 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.68 प्रतिशत की छलांग लगा कर 1,606.80 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 409.57 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की तेजी के साथ 66,266 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक ओवर फेंकने वाले शीर्ष दो गेंदबाज है मुरलीधरन और कुंबले

कोलंबो

श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम गेंदबाजी में कई रिकार्ड है। इन्हीं में एक सबसे अधिक ओवर फैंकने का रिकार्ड भी मुरलीधरन के नाम है। वहीं भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर रहे अनिल कुंबले का नाम दूसरे स्थान पर है।

मुरलीधरन ने अपने 1992 से 2010 तक के करियर में कुल 133 टेस्ट मैचों में 7339.5 ओवर गेंदबाजी की। इन ओवरों में उन्होंने 800 टेस्ट विकेट लिए हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सर्वाधिक विकेट हैं, और उनका गेंदबाजी औसत 22.73 रहा। उनके ठीक बाद, भारत के कुंबले ने 1990 से 2008 के बीच 132 टेस्ट मैचों में 6808.2 ओवर फेंके। कुंबले ने अपने दमदार करियर में 619 विकेट हासिल किए और उनका औसत 29.65 रहा, जो उनकी निरंतरता को दर्शाता है।

इस विशेष सूची में आस्ट्रेलिया के महान लेग स्पिनर शेन वार्न भी तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 1992 से 2007 तक 145 टेस्ट मैचों में 6784.1 ओवर डाले और 708 विकेट झटके। उनके बाद इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी के दिग्गज जेम्स एंडरसन का नाम आता है, जिन्होंने 2003 से लेकर अब तक 188 टेस्ट मैचों में 6672.5 ओवर फेंके हैं। एंडरसन ने इस दौरान 704 विकेट लिए हैं।

आस्ट्रेलिया के आफ स्पिनर नाथन लियोन भी इस सूची में अपनी जगह बनाए हुए हैं, जिन्होंने 2011 से अब तक 143 टेस्ट मैचों में 5853.1 ओवर फेंके हैं और 571 विकेट अपने नाम किए हैं। लियोन भी एंडरसन की तरह अभी तक टेस्ट क्रिकेट में सक्रिय हैं। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्राड ने अपने 167 टेस्ट मैचों के करियर (2007-2023) में 5616.2 ओवर फेंके और 604 विकेट लिए। वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज कोर्टनी वाल्श ने भी 1984 से 2001 के बीच 132 टेस्ट मैचों में 5003.1 ओवर डालकर 519 विकेट लेकर अपनी छाप छोड़ी। ये सभी आंकड़े दर्शाते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में लंबी अवधि तक सफल रहने के लिए न केवल कौशल बल्कि अविश्वसनीय शारीरिक और मानसिक दृढ़ता की आवश्यकता होती है।

न्यूज ब्रीफ

एशियाई खेलों से पहले सिंड्रेला दास और पायस जैन टाप्स विकास योजना में शामिल

नई दिल्ली। एशियाई खेल 2026 से पहले भारतीय टेबल टेनिस की युवा प्रतिभा सिंड्रेला दास को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टाप्स) की विकास योजना में शामिल किया गया है। कोलकाता की 17 वर्षीय सिंड्रेला ने हाल के दिनों में शानदार प्रदर्शन कर यह उपलब्धि हासिल की है। सिंड्रेला के अलावा पुरुष युगल खिलाड़ी पायस जैन और अंकुर भट्टाचार्य भी टाप्स विकास योजना का हिस्सा हैं। सिंड्रेला ने इस साल थाईलैंड में आयोजित एशियाई युवा चैंपियनशिप में लड़कियों के युगल में रजत और एकल में कांस्य पदक जीता था। उनके इन प्रदर्शन के बाद उन्हें टाप्स की विकास श्रेणी में शामिल किया गया। इससे पहले 2023 में उन्होंने अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 एकल मे राष्ट्रीय रैंकिंग के खिताब जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। टाप्स ने इस साल टेबल टेनिस में 14 से 17 वर्ष की उम्र के युवा खिलाड़ियों के लिए एक विशेष समूह तैयार किया था। सिंड्रेला भी इस समूह का हिस्सा थीं। इस पहल का उद्देश्य 2030 राष्ट्रमंडल खेलों और 2036 ओलंपिक के लिए भारत की युवा प्रतिभाओं को तैयार करना है। एशियाई खेल 2026 के लिए भारत की 10 सदस्यीय टेबल टेनिस टीम में सिंड्रेला दास, श्रीजा अकुला, दिया चिताले, यशस्विनी घोरपड़े, सुतीर्था मुखर्जी, साथियान, मनुश शाह, मानव ठक्कर, हरमीत देसाई और पायस जैन शामिल हैं।

गावस्कर ने पिच को लेकर आईसीसी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आस्ट्रेलिया में खेल गये क्रिकेट टेस्ट के केवल दो दिनों में ही समाप्त होने पर सवाल उठाये हैं। गावस्कर ने इसको लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पर भी निशाना साधा है। गावस्कर ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट में पिचों के मूल्यांकन को लेकर दोहरा मापदंड अपनाया जा रह है। साथ ही कहा कि यदि ऐसा ही कोई मुकाबला भारत में इतनी जल्दी समाप्त होता, तो आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी सबसे पहले भारतीय पिचों की तीखी आलोचना करते पर आस्ट्रेलिया में ऐसा होने पर कोई कुछ नहीं कह रहा है। गावस्कर के अनुसार पिछले कुछ साल में आस्ट्रेलिया में चार टेस्ट मैच दो दिन के भीतर खत्म हुए हैं, जिसमें पिछले साल की एशेज सीरीज के पर्थ और मेलबर्न टेस्ट भी शामिल हैं। इसके बाद भी इन तेज और अतिरिक्त उछाल वाली पिचों की कभी आलोचना नहीं की गई। वहीं अगर ऐसा भारतीय पिचों पर होता तो कई प्रकार की बातें होने लगतीं। गावस्कर के अनुसार, भारतीय पिचों पर मैच जल्दी खत्म होने पर तुरंत पिच की गुणवत्ता पर बहस छिड़ जाती है, जबकि आस्ट्रेलिया में ऐसा होने पर खराब मौसम आदि का हवाला दे दिया जाता है। गावस्कर ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में हार के बाद आस्ट्रेलिया द्वारा तेज और उछाल वाली पिच तैयार करने पर कोई हैरानी नहीं जताई।

दलीप ट्राफीः आबिद मुश्ताक के नौ विकेट की बदौलत नार्थ जोन सेमीफाइनल में

बेंगलुरु। जम्मू-कश्मीर के बाएं हाथ के स्पिन आलराउंडर आबिद मुश्ताक के शानदार नौ विकेट की बदौलत नार्थ जोन ने दलीप ट्राफी क्वार्टर फाइनल में रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाले वेस्ट जोन को 52 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। लाल मिट्टी की पिच पर स्पिन गेंदबाजों का दबदबा रहा और पूरे मुकाबले में 25 विकेट स्पिनरों ने हासिल किए। आबिद मुश्ताक ने दोनों पारियों में कुल 9 विकेट लेकर नार्थ जोन की जीत में अहम भूमिका निभाई। अंतिम दिन वेस्ट जोन को जीत के लिए 67 रन और नार्थ जोन को तीन विकेट की जरूरत थी। मुश्ताक और निशांत सिंधु ने महज 6.3 ओवर में वेस्ट जोन की पारी समेट दी। चौथे दिन मुश्ताक ने मुशीर खान और रुतुराज गायकवाड़ की शतकीय साझेदारी के बाद वेस्ट जोन को झटका दिया था। अंतिम दिन उन्होंने तनुश कोटियन को बोल्ड कर शुरुआत की। इसके बाद तुषार देशपांडे को स्लिप में अब्दुल समद के हाथों कैच कराया। इसके तीन गेंद बाद निशांत सिंधु ने उर्विल पटेल को 25 रन पर एलबीडब्ल्यू कर वेस्ट जोन की पारी का अंत कर दिया। नार्थ जोन की ओर से अर्शदीप सिंह ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट लिए। वहीं अंशुल कंबोज ने पहली पारी में 60 रन बनाने के बाद गेंद से भी प्रभाव छोड़ा और शम्स मुलानी तथा कोटियन के विकेट हासिल किए। नार्थ जोन ने पहली पारी में 251 और दूसरी पारी में 222 रन बनाए थे। इसके जवाब में वेस्ट जोन की टीम 187 और 234 रन ही बना सकी। नार्थ जोन सेमीफाइनल में तिलक वर्मा की कप्तानी वाले साउथ जोन से भिड़ेगा। दूसरा सेमीफाइनल ईस्ट जोन और गत चैंपियन सेंट्रल जोन के बीच होगा।

3 अक्टूबर से शुरू होगी वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स लीग

सिडनी

वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स लीग क्रिकेट (डब्लयूसीएल) का तीसरा सत्र 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। ऐसे में प्रशंसकों को एक बार फिर गुजरे जमाने के दिग्गज बल्लेबाजों का आक्रामक खेल देखने को मिलेगा। चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स लीग से कई पूर्व क्रिकेटरों को एक मंच मिलता है। इस बार बांग्लादेश के महमुदुल्लाह रियाद जैसे खिलाड़ी भी इस लीग में शामिल होंगे।

वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स का यह तीसरा सत्र है। लीग के पहले सत्र में इंडिया चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर खिताब जीता था। वहीं, दूसरे सत्र में दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर ट्राफी जीती थी। इस बार टूर्नामेंट में बांग्लादेश चैंपियंस को भी शामिल किया गया है, जिससे टूर्नामेंट में नई टीमों और खिलाड़ियों का प्रवेश होगा होगा और प्रतिस्पर्धा और भी बढ़ने की उम्मीद है।

वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स की ओर से कहा गया है कि दो सफल सत्र के बाद, लीग का तीसरा सत्र अधिक रोमांचक रहने की उम्मीद है। ये सत्र प्रशंसकों को एक अभूतपूर्व अनुभव देने का वादा करता है, जहां क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी एक बार फिर अपने पुराने और आकर्षक अंदाज में नजर आएंगे। लीग का लक्ष्य रिटायर हो चुके खिलाड़ियों को एक मंच देना है, जिससे वे खेल के प्रति अपने जुनून को जीवित रख सकें और प्रशंसकों का मनोरंजन कर सकें। लीग के सीईओ हर्षित तोमर ने आगामी सीजन को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने कहा, सीजन 3 बहुत खास होने वाला है। इस सत्र का आयोजन इंग्लैंड से बाहर होगा। इस सत्र में क्रिकेट के सबसे बड़े नाम और ऐसे स्टार्स को लेकर आएंगे जिनके बारे में प्रशंसक सोच सकते हैं।

टेस्ट क्रिकेट में जिम्बाब्वे के फ्लावर के नाम है सबसे अधिक स्कोर का रिकार्ड

हरारे। जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज एंडी फ्लावर के नाम एक ऐसा रिकार्ड है जो अब तक कोई भी नहीं तोड़ पाया है। फ्लावर ने टेस्ट क्रिकेट में ये रिकार्ड 26 साल पहले बनाया था। फ्लावर ने साल 2000 में नागपुर में भारत के खिलाफ 444 गेंदों पर नाबाद 232 रन बनाए थे। फ्लावर ने अपनी उस पारी में 30 चौके और 2 छक्के लगाये थे। उन्होंने करीब 544 मिनट बल्लेबाजी करते हुए भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया था। संगाकारा ने अपनी पारी में 327 गेंदें खेलीं और 33 चौके तथा 3 छक्के लगाए। उनकी यह पारी न सिर्फ सर्वाधिक रन बनाने वाली रही, बल्कि धैर्य, एकाग्रता और लंबे समय तक क्रीज पर टिके रहने का अद्भुत उदाहरण भी पेश करती है। इस रिकार्ड को तोड़ने के सबसे करीब श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगाकारा पहुंचे थे। उन्होंने साल 2002 में पाकिस्तान के खिलाफ लाहौर में 230 रनों की शानदार पारी खेली थी पर वह मात्र तीन रन से एंडी फ्लावर के विश्व रिकार्ड को तोड़ नहीं पाये थे वहीं भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर महेन्द्र सिंह धोनी भी एक बार इस आंकड़े के बेहद करीब पहुंचे थे पर रिकार्ड नहीं तोड़ पाये। उन्होंने साल 2013 में चेन्नई में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 224 रन बनाए थे, जो किसी विकेटकीपर-बल्लेबाज द्वारा तीसरी सबसे बड़ी पारी है। वहीं आस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट, ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जोहान्सबर्ग में 2002 में नाबाद 204 रन बनाये थे। गिलक्रिस्ट ने यह पारी केवल 213 गेंदों में खेली थी, जिससे उनकी आक्रामक पारी का अंदाजा लगाया जा सकता है। बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम भी इस विशिष्ट सूची में शामिल हैं। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ मीरपुर में नाबाद 219 रन बनाये थे। इस प्रकार साल 2000 से लेकर अब तक, टेस्ट क्रिकेट में कई बेहतरीन विकेटकीपर-बल्लेबाज आए और उन्होंने यादगार पारियां खेलीं पर कोई भी फ्लावर का रिकार्ड नहीं तोड़ पाया। इसी कारण फ्लावर की भारत के खिलाफ खेली गई नाबाद 232 रनों की पारी आज भी टेस्ट क्रिकेट में विकेटकीपर-बल्लेबाज द्वारा सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का अटूट रिकार्ड बनी हुई है, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और धैर्य का बेजोड़ प्रमाण है।

अमेरिकी ओपन: अल्कराज-विलियम्स बाहर, मोनफिस-स्वितोलिना सेमीफाइनल में

न्यूयार्क

सेरेना विलियम्स और कार्लोस अल्कराज ने जोड़ी के रूप में अमेरिकी ओपन 2026 मिश्रित युगल में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की, लेकिन अगले मुकाबले में बेलिंडा बेनसिच और फ्लावियो कोबोली से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

विलियम्स और अल्कराज ने अपने पहले मुकाबले में एरिन राउटलिफ और लायड ग्लासपूल को 5-3, 4-1 से हराया। यह 2022 के बाद अमेरिकी ओपन में सेरेना का पहला मुकाबला था। जीत के बाद सेरेना ने कहा कि कोर्ट पर लौटना उनके लिए बेहद खास पल था।

हालांकि, इसके बाद बेनसिच और कोबोली के खिलाफ मुकाबले में उन्हें 5-4 (4), 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। पहले सेट का टाईब्रेक गंवाने के बाद अल्कराज और विलियम्स की जोड़ी अपनी लय बरकरार नहीं रख सकी।

बेनसिच और कोबोली अब सेमीफाइनल में पति-पत्नी की जोड़ी एलीना स्वितोलिना और गेल मोनफिस से भिड़ेंगे। स्वितोलिना और मोनफिस ने कतेरीना सिनियाकोवा और हेनरी पैटन को 5-4 (6), 4-5 (3), 10-8 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।

सिनियाकोवा और पैटन ने इससे पहले शीर्ष वरीय आर्यना सबालेंका और नोवाक जोकोविच की जोड़ी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। दूसरे सेमीफाइनल में मिर्रा आंद्रेयेवा और आंद्रे रूबलेव का सामना कैरोलिना मुचोवा और याकुब मेनसिक से होगा। आंद्रेयेवा और रूबलेव ने गत चैंपियन सारा इरानी और आंद्रेआ वावासोरी के अलावा डायना श्नाइडर और कैस्पर रूड को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई है।

ब्रूनो फर्नांडिस और खदीजा शा बने पीएफए प्लेयर आफ द ईयर

लंदन। मैनचेस्टर यूनाइटेड के मिडफील्डर ब्रूनो फर्नांडिस और मैनचेस्टर सिटी की स्ट्राइकर खदीजा शा को पुरुष और महिला वर्ग में प्रोफेशनल फुटबालर्स एसोसिएशन (पीएफए) प्लेयर आफ द ईयर चुना गया। मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान फर्नांडिस ने पिछले सत्र में नौ गोल किए और रिकार्ड 21 असिस्ट दिए। उनके प्रदर्शन की बदौलत यूनाइटेड ने शीर्ष लीग में तीसरा स्थान हासिल किया। वह यह पुरस्कार जीतने वाले दूसरे पुर्तगाली खिलाड़ी हैं। उनसे पहले क्रिस्टियानो रोनाल्डो यह सम्मान हासिल कर चुके हैं। जमैका की स्ट्राइकर खदीजा शा ने दूसरी बार यह पुरस्कार जीता है। इससे पहले उन्हें 2024 में भी पीएफए प्लेयर आफ द ईयर चुना गया था। पिछले सत्र में उन्होंने मैनचेस्टर सिटी के लिए 21 गोल किए। मैनचेस्टर सिटी के डिफेंडर निको ओराइली को यंग प्लेयर आफ द ईयर चुना गया। उन्होंने 2026 फीफा विश्व कप मे इंग्लैंड के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। वहीं, आर्सेनल की 22 वर्षीय स्ट्राइकर ओलिविया स्मिथ ने लगातार दूसरी बार महिला वर्ग में यंग प्लेयर आफ द ईयर का पुरस्कार जीता।

एशियाई खेलों से पहले फिटनेस पर मीराबाई का फोकस हर सप्ताह लेती हैं अमेरिकी विशेषज्ञ से सलाह

नई दिल्ली

टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू एशियाई खेलों में अपने पहले पदक के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तरह जुटी हुई हैं। सितंबर में जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों से पहले चोट से बचना उनकी प्राथमिकता है। इसके लिए वह अमेरिकी स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग विशेषज्ञ डा. आरोन हार्शिग से हर सप्ताह वीडियो काल के जरिए प्रशिक्षण और फिटनेस पर चर्चा करती हैं।

मीराबाई ने साई मीडिया से कहा, हर गुरुवार को वीडियो काल में प्रशिक्षण, रिकवरी और आगे की रणनीति पर चर्चा करते हैं। हर चीज की बारीकी से समीक्षा होती है। डा. हार्शिग खुद भारोत्तोलक रहे हैं, इसलिए वह शरीर की हर मांसपेशी को समझते हैं। लगातार समीक्षा से मैं फिट रहने में सफल रही हूं।

मीराबाई और हार्शिग का साथ नवंबर, 2020 से है। मीराबाई अपने लंबे समय के कोच विजय शर्मा के साथ मोदीनगर में अभ्यास कर रही हैं। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में तीसरा स्वर्ण पदक जीतने के बाद भी उन्होंने प्रशिक्षण में कोई ब्रेक नहीं लिया।

मीराबाई ने कहा, मैं सीधे मोदीनगर लौटकर प्रशिक्षण में लग गई। मैं घर, मणिपुर भी नहीं गई।

मैंने खुद के लिए चुनौती रखी है कि जब तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीतती, घर नहीं जाऊंगी। एशियाई खेलों का पदक मीराबाई के शानदार करियर में अब तक अधूरा अध्याय है। वह ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीत चुकी हैं। हालांकि चोट के कारण 2018 जकार्ता एशियाई खेलों से बाहर रही थीं, जबकि 2022 हांगझोउ एशियाई खेलों में कूल्हे और जांघ की चोट के कारण चौथे स्थान पर रही थीं।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में कुल 190 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने स्नैच में 85 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा वजन उठाया तथा तीनों वर्गों में राष्ट्रमंडल खेलों के रिकार्ड बनाए।

हालांकि मीराबाई ग्लासगो में प्रतिस्पर्धा के स्तर को लेकर बहुत उत्साहित नहीं हैं। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो राष्ट्रमंडल खेलों की प्रतियोगिता मेरे लिए बहुत कठिन नहीं थी। असली परीक्षा आगे है।

मीराबाई के अनुसार एशियाई खेलों में चीन, उत्तर कोरिया, जापान और थाईलैंड की भारोत्तोलकों से सबसे कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। पेरिस ओलंपिक में भी थाईलैंड की सुरोदचना खंबाओ ने उन्हें केवल एक किग्रा के अंतर से पीछे छोड़ते हुए कांस्य पदक जीता था।

मीराबाई का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 205 किग्रा है, जो उन्होंने 2021 एशियाई चैंपियनशिप और फरवरी, 2026 की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हासिल किया था। उन्होंने कहा कि वह जापान में देखना चाहती हैं कि वह कितना आगे जा सकती हैं।

पीवी सिंधु और आयुष शेट्टी चाइना मास्टर्स सुपर 750 टूर्नामेंट में नजर नहीं आयेंगे

नई दिल्ली

भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अगले माह की शुरुआत में होने वाले चाइना मास्टर्स सुपर 750 टूर्नामेंट में नजर नहीं आयेंगी। सिंधु के अलाव पुरुष एकल खिलाड़ी आयुष शेट्टी भी इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। चाइना ओपन अगले माह 1 सितंबर से शुरू हो रहा है। एशियाई खेलों से पहले बीडब्लयएफ विश्व टूर का यह एकमात्र बड़ा इवेंट है, जिसका आकर्षण इन खिलाड़ियों के नहीं होने से कम होगा।

हाल में हुई विश्व चैंपियनशिप में आयुष ने शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने पहले ही दौर में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी शी युकी को हैरानर कर दिया था। हालांकि, वह राउंड आफ 16 में इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से हार गए थे। वहीं सिंधु भी वर्ल्ड चैंपियनशिप में

राउंड आफ 16 तक पहुंची थीं पर चीन की दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी वांग झी यी से उन्हें कड़े मुकाबले में हार झेलनी पड़ी थी। माना जा रहा है कि उस मैच से उन्हें जो थकान हुई है। उसी कारण वह चायना ओपन नहीं खेल रही है।

पुरुष एकल में आयुष के हटने के बाद अब लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत भारत की आर से उतरेंगे। लक्ष्य ने विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन किया था, जहां वह दूसरे दौर में अमेरिका के दुनिया के नंबर 92 खिलाड़ी गैरेट टैन से हारकर जल्दी बाहर हो गए थे। दूसरी ओर महिला एकल में मालविका बंसोद और आकर्षी कश्यप भी नहीं उतरेंगी। ऐसे में अब उन्नति हुड्डा, देविका सिहाग और तन्वी शर्मा भारत की ओर से पदक दावेदार रहेंगी।

पुरुष युगल में विश्व चैंपियनशिप में चोट के कारण ब्रेक के बाद वापसी करने वाले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। वे राउंड आफ 16 में अंततः चैंपियन बने चीन के लियांग वेइकेन्ग और वांग चांग से हार गए थे। उनके साथ हरिहरन अमासुकरन और अर्जुन एमआर भी भारतीय दल में शामिल हैं। महिला युगल में भारत की कोई जोड़ी नहीं होगी, क्योंकि भारत की ट्रेसा जाली और गायत्री गोपीचंद ने इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है।

एशियाड : अब सपोर्ट स्टाफ पर खींचतान! पहलवानों के साथ क्यों नहीं विदेशी कोच साई ने 18 खेल संघों से मांगा जवाब

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के लिए खिलाड़ियों की छटनी के बाद अब साई और राष्ट्रीय खेल महासंघों के बीच कोच और सपोर्ट स्टाफ के लिए खीचतान शुरू हो गई है। साई ने 19 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों में भाग लेने वाले 492 सदस्यीय भारतीय दल के साथ सपोर्ट स्टाफ भेजने के लिए जवाब-तलबी शुरू कर दी है। साई ने एशियाड में खेलने जा रहे 35 में से 18 खेल संघों से सपोर्ट स्टाफ के चयन को लेकर जवाब मांग लिया है। खेल संघों के जवाब के आधार पर ही एशियाई खेलों के सपोर्ट स्टाफ की अंतिम सूची तय होगी। साई ने महिला हाकी टीम, शूटिंग, कबड्डी, स्क्वैश, रोइंग, कुश्ती टीम के साथ मसाजर (मैस्योर या मैस्यूजी) की तैनाती नहीं करने पर जवाब मांगा साथ ही कुश्ती टीम के साथ हाल ही में तीन विदेशी प्रशिक्षकों की तैनाती की गई है, लेकिन बतौर कोच उन्हें नहीं एशियाड नहीं भेजा जा रहा है। साई तीनों विदेशी प्रशिक्षकों को एशियाड में बतौर अतिरिक्त टीम आफिशियल भेजना चाहता है। यही नहीं आठ सदस्यीय सदस्यीय घुड़सवारी टीम के तीन सदस्यों के साथ घोड़ों की देखभाल करने वाले ग्रूम को नहीं भेजने पर भी जवाब मांगा गया है।

अच्छा सोचें और सिर दर्द घटाएं

सरदर्द, आज की जीवनशैली में होने वाली सबसे आम समस्या है और इसका कारण तनाव से लेकर माइग्रेन तक हो सकता है। तनाव की स्थिति में गर्दन की मांस पेशियों में सिकुड़न हो जाती है। शायद आपको यह आश्चर्यजनक लगे कि, अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या में थोड़ा सा बदलाव लाकर आप सरदर्द से बच सकते हैं। अगर आपके सरदर्द का कारण भी तनाव है, तो तनाव का मुकाबला करना सीखें।

बच्चों के साथ हो दोस्ती

सोशल नेटवर्किंग साइट पर भी अपने बच्चों से हमेशा जुड़े रहिए, इससे आप उनकी हर वक्त की गतिविधि के बारे में जानकारी ले सकेंगे। इसके लिए अपने बच्चे के साथ दोस्ती कीजिए, उनकी फ्रेंडलिस्ट में खुद को शामिल कीजिए, और उनके हर वक्त के अपडेट से अवगत होते रहिए।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद हैं भिंडी!

भिंडी हरी सब्जियों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। यह सेहत के लिए बहुत लाभदायिक होती है। भिंडी को खाने के अलावा भी इसके कई फायदे हैं। आप इसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स की तरह भी इस्तेमाल कर सकते है। आप भिंडी का इस्तेमाल करके खूबसूरत दिख सकती है। ज्यादा देर तक धूप में रहने से हमारी स्किन काली हो जाती है। इससे छुटकारा पाने के लिए आप भिंडी का मास्क बना कर लगा सकते है।

अंगुलियां चटकाना हो सकता है नुकसानदायक

उंगुलियां चटकाने से उंगुलियां के आसपास के मसल्स को काफी आराम मिलता है इसलिए उंगुलियां चटकाने की आदत हर दूसरे इंसान को होती है। जबकि ये आदत गठिया जैसे रोग को जन्म दोती है। अगर आपको भी है ये आदत तो इस तरह से छुड़ाएं अपनी ये आदत।

कैसे चटकती हैं उंगुलियां

ऑफिस में बैठे-बैठे या कुछ पढ़ते व लिखते वक्त आप अपने आप उंगुलियों को फोड़ने या चटकाने लगते हैं। ऐसा अमूमन हर दूसरा इंसान करता है। उंगुलियों के चटकने के बाद हाथों को काफी आराम मिलता है जिस कारण लोग और अधिक उंगुलियां चटकाने लगते हैं। कई लोग तो गर्दन की हड्डियां भी सुबह-सुबह उठकर चटकाते हैं। जबकि इस तरह से हड्डियों को या उंगुलियों को चटकाना काफी नुकसानदेह होता है। तो आइए आज हम जानते हैं, उंगुली चटकाने से होने वाले नुकसान और इसे छोड़ने के तरीके।

गठिया का रोग

उंगुलियां चटकाने से गठिया जैसी खतरनाक बीमारी होती है। एक रिपोर्ट के अनुसार उंगलियों की हड्डियों को चटकाना गठिया रोग का कारण बनता है। इस रिपोर्ट के अनुसार हमारी हड्डियां लिगामेंट से एक दूसरे से जुड़ी होती हैं जिसे जोड़ कहते हैं। इन जोड़ों के बीच एक द्रव होता है जो उंगुलियों के चटकने के दौरान कम हो जाता है। ये द्रव जोड़ों में ग्रीस के समान होता है जो हड्डियों को आपस मे रगड़ खाने से रोकता है। ऐसे में बार-बार उंगुलियों के चटकने से जोड़ों की पकड़ कमजोर हो जाती है। साथ ही हड्डियों के जोड़ पर मौजूद ऊतक भी नष्ट हो जाते हैं जिससे गठिया जैसे रोग हो जाते हैं।

इस कारण पड़ती है ये आदत

लगभग हर इंसान को ये आदत होती है। जबकि इस आदत के बारे में कोई किसी को सिखाता भी नहीं है। तो ऐसे में सवाल उठता है कि ये आदत कैसे पड़ती है? दरअसल उंगलियों को चटकाने से जोड़ों के आसपास की मसल्स और हाथों को आराम मिलता है। इसलिए लोग लिखते-पढ़ते या ऑफिस व अन्य जगह में बैठे-बैठे ही उंगलियां चटकाने लगते हैं क्योंकि ऐसा करने से उन्हें आराम मिल जाता है।

इस तरह से रोकें

उंगुलियां चटकाना उंगलियों की हड्डियों के जोड़ों को नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में इस आदत को रोकना बहुत जरूरी है। इस आदत को रोकने के लिए ध्यान दें। जब भी आप पढ़ते या लिखने या काम करते वक्त ऐसा करते हैं तो उस वक्त खुद पर फोकस करें। अगर आप कभी गलती से उंगुलियां चटकाने लगते हैं तो तुरंत छोड़ दें। चाहे उंगुलियां कितनी भी दर्द दे रही हों।

हाथों को व्यस्त रखें

उंगुलियां चटकाने से खुद को रोकने के लिए अपने हाथों को वयस्त रखें। क्योंकि कई बार लोग खाली वक्त में मेट्रो या बस में बैठे-बैठे भी उंगुलियां चटकाने लगते हैं। तो ऐसी स्थिति में अपनी उंगुलियां चटकाने के बजाय पेंसिल या सिक्के से खेलना शुरू करें। या फिर ऑफिस में बैठे-बैठे ऐसा करते हैं तो उस समय कुछ लिखने लगें या ड्राइंग बनाने लगें।

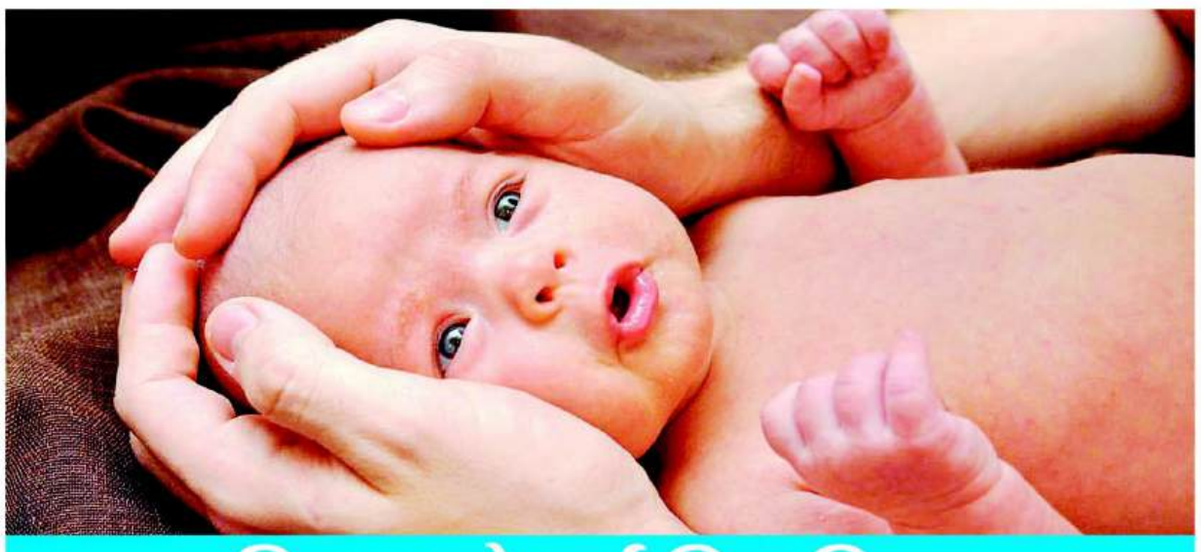

शिशु को दर्द दिए बिना हटाएं त्वचा के रोएं

यह बिल्कुल सच है कि एक मां अपने बच्चे के स्वास्थ्य और उसके सौंदर्य को लेकर काफी चिंतित रहती है। शिशुओं के चेहरे और शरीर पर अत्यधिक रोएं या बाल उनकी सुंदरता को प्रभावित करती है। लेकिन नवजात शिशु के चेहरे और शरीर पर रोएं आनुवंशिक कारणों से पहले से ही निर्धारित होते हैं, इन्हें हटाने के लिए ज्यादा कुछ करना खतरनाक साबित हो सकता है लेकिन इसके लिए कुछ घरेलू उपाए अपना सकते हैं,

उबटन है मददगार

आमतौर पर घर के बड़े-बुजुर्ग बाल हटाने के लिए पारंपरिक घरेलू उपचार आजमाने का सुझाव देते हैं, जो कि काफी मददगार होता है। कुछ लोग मानते हैं कि बेसन और हल्दी से बना उबटन या फिर आटे, कच्चे दूध और गुलाब जल का लेप भी रोएं हटाने में मदद करता है। हालांकि ये घरेलू नुस्खे काफी प्रचलित हैं। लेकिन इसका बैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। इसमें यह ध्यान रखने की जरूरत है कि कच्चे दूध में ई-कॉली और साल्मोनेला जैसे जीवाणु हो सकते हैं, जो कि आपके शिशु को दस्त (डायरिया) और पेचिश जैसी बीमारियां पैदा कर सकते हैं।

ऑलिव ऑयल है खास

ऑलिव ऑयल नवजात शिशु की त्वचा और उनकी हड्डियों को मजबूत बनाने में बहुत ही खास

भूमिका अदा करता है, लेकिन इसकी एक और खूबी है। यदि नवजात शिशु को प्रतिदिन सुबह और शाम ऑलिव ऑयल की मालिस की जाए तो चेहरे और शरीर के रोएं को कम किया जा सकता है। यह त्वचा की सुंदरता के लिए भी खास है।

गेहूं और चने का आटा

जिन आटों की हम घर में रोटियां बनाकर खाते हैं, उनका प्रयोग नवजात शिशु के शरीर के रोंए हटाने में कर सकते हैं। इसके लिए गेहूं और चने का आटा को बराबर मात्रा में पानी के साथ पेस्ट बना लें, इसके बाद उसे शिशु की त्वचा पर हल्के हाथों से धीरे-धीरे रगड़ें। जन्म के एक से चार महीनों के बीच इसका फायदा दिखने लगेगा।

मसूर दाल व बदाम का पेस्ट

अपने नवजात शिशुओं की त्वचा के रोएं हटाने के लिए एक बहुत ही आसान तरीका है। मसूर की दाल और बदाम का पेस्ट बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। इसके लिए दाल और बादाम को बराबर मात्रा में दूध के साथ पेस्ट बना लें, इसके बाद उसे शिशु को मालिश कर सकती हैं। इन घरेलू उपायों के बाद भी अगर त्वचा के काले और बड़े बालों से निजात नही मिल रहा है तो इसके लिए डॉक्टर की सलाह जरूरी है।

चिरौंजी है गुणकारी

नवजात शिशु की त्वचा से रोएं हटाने के लिए चिरौंजी बहुत ही गुणकारी होता है। एक कप चिरौंजी को रात में सोने से पहले पानी में भिगो दें। सुबह तक चिरौंजी फूल जाएगी, जिसे मिक्सर से पीस लें। इसके बाद हल्के हाथों से अपने शिशु के शरीर पर लगाएं। प्रतिदिन करने से थोड़े ही दिनों में इसका लाभ दिखने लगेगा।

इस तरह करें प्लास्टिक चावल की पहचान...

कहीं आप भी तो नहीं खा रहे प्लास्टिक चावल? चीन से आने वाला यह प्लास्टिक चावल दिखने में बिल्कुल असली चावल की तरह ही दिखाई देता है। और तो और पकने के बाद भी आप प्लास्टिक चावल और असली चावल में फर्क नहीं कर सकते। असली चावल के साथ मिलाकर बाजारों में बिकने वाला यह चावल, असली चावल में इस कदर मिल जाता है, कि आप इसके रूप, रंग, आकार और यहां तक कि स्वाद में भी फर्क नहीं कर पाएंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस चावल को खाने से आप कैंसर जैसी भयानक बीमारी के शिकार हो सकते हैं। लेकिन उससे भी पहले आप शिकार हो सकते हैं, पेट की बीमारियों के...। एक कटोरी प्लास्टिक चावल, एक बैग पॉलीथिन के बराबर होता है। जरा सोचिए.... प्लास्टिक या पॉलीथिन को खाने के बाद, पेट की क्या हालत होगी ? यह ना तो पचता है, और ना ही सड़ता है।

प्लास्टिक चावल के इन सभी दुष्परिणामों से बचने के लिए इस चावल की पहचान करना बेहद आवश्यक है। अब सवाल यह उठता है, कि प्लास्टिक चावल की पहचान कैसे करें ..। हम आपको बता रहें हैं, कि आखिर कैसे पहचानें प्लास्टिक चावल को। ऐसे करें पहचान -

1. **चमक**- जब आप चावल को ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे प्लास्टिक के चावल असली चावल की तुलना में ज्यादा चमकीला नजर आता है।
2. **आकार**- अगर दो तरह के नकली चावलों को एक साथ मिलकर देखेंगें, तो सारे चावलों की मोटाई और आकार, एक जैसा ही दिखाई देगा।
3. **वजन**- नकली चावल का वजन असली की तुलना में हल्का होता है, इसीलिए तौलने पर नकली चावल की मात्रा अधिक होगी।
4. **भूसी** - नकली चावल बिल्कुल साफ सुथरा होगा, जबकि असली चावल में कहीं न कहीं धान की भूसी मिल ही जाएगी।

बर्तनों से दूर होगी आयरन की कमी

शास्त्रों में भी लोहे की बर्तनों में खाना बनाने की सलाह दी जाती है। इसकी वजह ये है कि खाना पकाते वक्त कढ़ाई से लोहे का कुछ अंश भोजन में मिल जाता है जिससे खाने में पर्याप्त मात्रा में आयरन मिल जाता है। अगर शरीर में हीमोग्लोबीन की कमी हो तो लोहे के बर्तनों में बना खाना खाने से फायदा पहुंचता है। लेकिन लोहे के बर्तनों में खाना बनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। रोज इन बर्तनों में खाना बनाने से बचना चाहिए। हफ्ते में केवल एक या दो बार ही पकाएं। खट्टी या फिर एसिड वाली चीजों को इसमे पकाने से बचें। कढ़ी, रसम, सांभर या फिर ऐसी चीजें जिसमें टमाटर का प्रयोग होता हो। लोहे के बर्तनों को धोने के बाद तुंरत तेल की हल्की सी परत लगा दें जिससे जंग ना लगे। मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने से 100 प्रतिशत तक पोषक तत्व खाने में बने रहते हैं और इसके साथ मिट्टी के अपने गुण और पोषक तत्व भी इसमें समा जाते हैं, जिससे भोजन में मौजूद गुण कई गुना बढ़ जाते हैं। लंबे समय से लोग तांबे के बर्तन में पानी पीते आ रहे हैं। कई लोग रात को तांबे के बर्तन में पानी भरकर सुबह पीते हैं इससे पेट की सभी बीमारियां दूर होती है। स्टेनलेस स्टील के बर्तन अच्छे, सुरक्षित और किफायती विकल्प हैं। इन्हें साफ करना भी बहुत आसान है। लेकिन अगर सेहत को लेकर ज्यादा सजग हैं तो स्टील के बर्तन कम उपयोग में लाएं।

श्वसन नलिका और स्वर ग्रंथि की परेशानियों से मिलेगी निजात

मत्स्यासन दिलाएगा बीमारियों से छुटकारा

योगा एक ऐसी चीज है जिसे यदि रोज किया जाए तो तमाम बीमारियों से शरीर को मुक्त रखा जा सकता है। आजकल योगा का क्रेज युवाओं में बढ़ता जा रहा है। मत्स्यासन अकेला ऐसा आसन है, जिसे विधिवत करके अनेक बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। अगर इस आसन का अभ्यास सर्वांगासन के बाद किया जाए तो दोनों आसनों का लाभ दोगुना हो जाता है।

आसन की विधि

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले दरी बिछाकर जमीन पर बैठ जाइए। फिर पद्मासन लगाइए। कुहनी का सहारा लेते हुए जमीन पर लेट जाइए। पीछे से सिर के पास हथेली लगाकर सिर को ऊपर उठाकर सिर को इस प्रकार जमीन पर टिकाना चाहिए कि गर्दन, छाती और पीठ अधिक से अधिक ऊपर की तरफ उभरी रहे। शरीर का भार सिर्फ पैरों और सिर पर टिका रहना चाहिए। हाथों से पैरों के अंगूठों को पकड़ लें। दोनों घुटने जमीन से सटे रहेंगे। श्वास-प्रश्वास सामान्य रहेगी। इस क्षमता के अनुसार आसन का अभ्यास 1 से 5 मिनट तक करें। वापस आते समय सबसे पहले हथेली का सहारा लेकर गर्दन को सामान्य अवस्था में लाएं फिर कुहनी का सहारा लेते हुए धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आएं। जल्दबाजी न करें। प्रारंभ में अधिकांश लोगों को मत्स्यासन में कठिनाई होती है, इसलिए पहले बैठकर पद्मासन का अभ्यास करना चाहिए और इसके बाद मत्स्यासन का अभ्यास करना चाहिए।

...तो ये हैं आसन के लाभ

पाचन संस्थान, आमाशय, यकृत, गुर्दे और फेफड़ों पर प्रभाव डालकर इन अंगों से संबंधित रोगों में यह आसन चमत्कारिक लाभ देता है। इस आसन से फेफड़े, श्वसन नलिका और स्वर ग्रंथि के विकार दूर होते हैं। फेफड़े में अतिरिक्त हवा भरने से उनके बंद कोष खुल जाते हैं। यह आसन दमा, क्षय व अन्य श्वसन संस्थान के रोगों में लाभ प्रदान करता है। सर्वांगासन के बाद यह आसन किया जाएं तो सर्वांगासन के दौरान गर्दन और ग्रीवामणि की पेशियों में जो तनाव आता है, वह दूर हो जाता है। यह आसन मेरु दंड और पीठ दर्द के रोगों के लिए भी लाभकारी है। गैस्ट्रिक, गले से संबंधित रोग, उच्च रक्तचाप, हाइपो थॉयरोडिज्म आदि में भी उपयोगी है।

रेसिपी

कन्द वेफर

सामग्री

2 कप छिले और पतले कटे हुए कन्द
1 टी-स्पून तेल
2 टी-स्पून ताजी पिसी हुई कालीमिर्च
सेंधा नमक , स्वादअनुसार

विधि

माइक्रोवेव सुरक्षित प्लेट में बटर पेपर रखें और ½ कप कंद के टुकड़ो को फैला दें। टुकड़ो के बीच उपयुक्त स्थान रखें और उन्हें एक के उपर ना रखें। 4 मिनट तक माईक्रोवेव पर हाई (पुरे तापमान) पर, बीच में तीन बार पलटते हुए पकाएं। दोनों हाथों पर ¼ टी-स्पून तेल चुपड़े, सेंधा नमक और ¼ टी-स्पून कालीमिर्च को कन्द वेफर पर छिड़के और हाथों से अच्छी तरह से मिलाएं। शेष बची सामग्रीयों से 3 और हिस्से बनाएं। पुरी तरह से ठंडा कर हवा-बन्द डब्बे में संचय करें।

बैकिंग के स्वाद में छिपा बेहतर भविष्य

बैकिंग दुनिया के सबसे पुराने व्यवसायों में से एक है, लेकिन समय के साथ इसके स्वरूप व तकनीक में काफी परिवर्तन आया है। आजकल पूरी दुनिया में लोग बेक की हुई चीजों का बहुत बड़े स्तर पर प्रयोग करते हैं। ऐसे में एक प्रोफेशनल बेकर की डिमांड भी काफी बढ़ी है। यदि आपको भी खाना बनाना पसंद है तो आप एक बेकर के रूप में अपना उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं।

क्रिएटिव होना भी जरूरी...

एक बेकर के लिए बेहद जरूरी है कि उसे भोजन व उससे संबंधित सामग्री से बेहद प्यार हो। इसके अतिरिक्त वह बेकरी प्रॉडक्ट्स और उसकी सामग्री से परिचित हो। उसे सिर्फ खाना पकाना ही नहीं आता हो बल्कि अपनी क्रिएटिविटी के बलबूते वह उसे एक नया रूप देने में सक्षम हो।

स्किल्स...

वैसे तो इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी विशेष योग्यता की आवश्यकता नहीं है बस आपको बैकिंग, आइसिंग व डैकोरेटिंग की जानकारी होनी चाहिए, लेकिन अगर आप चाहें तो अपने स्किल्स में निखार लाने के लिए बेकिंग व कन्फैक्शनरी में शॉर्ट टर्म या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 4 से 6 महीने हो सकती है तथा आप 10वीं व 12वीं के बाद यह कोर्स आसानी से कर सकते हैं। कोर्स के दौरान छात्रों को न्यूट्रिशन, फूड सर्विस, बैकिंग के सिद्धांतों, सैनिटेशन, बैकिंग के दौरान काम आने वाली मशीनरी को चलाने आदि के बारे में विस्तार से समझाया जाता है। कोर्स में छात्रों को बैकिंग की बेसिक जानकारी के साथ-साथ एडवांस ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें उन्हें इंडस्ट्रीयल इक्विपमेंट के जरिए सारी सामग्री को मिक्स करना व बेक करना सिखाया जाता है।

अपॉर्चुनिटी...

आप इस क्षेत्र में किसी होटल, बेकरी शॉप, केटरर आदि के जरिए कदम रख सकते हैं। वैसे आप बेकरी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के साथ भी जुड़ सकते हैं। आप खुद की बेकरी शॉप भी खोल सकते हैं। यदि आपके अंदर बेकिंग का हुनर लाजवाब है तो आप विदेश में भी नौकरी तलाश सकते हैं।

स्टडी सेंटर्स...

- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी, नोएडा
- एलबीआईआई एचएम, पीतमपुरा, दिल्ली
- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, दिल्ली

करीवेपिल्लई पोड़ी

सामग्री

1 कप कड़ी पत्ता, 2 टी-स्पून नारियल का तेल/अन्य तेल, 2 टेबल-स्पून खड़ा धनिया, 1 टेबल-स्पून चना दाल, 1 टेबल-स्पून उड़द दाल, 1 टी-स्पून काली मिर्च, 2 टी-स्पून जीरा, 1 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून तिल, 2 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , तोड़ी हुई, 1/2 कप सूखा कसा नारियल, 1 टेबल-स्पून कटी हुई इमली, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ गुड़, नमक स्वादअनुसार

विधि

एक छोटा पैन गरम करें, कड़ी पत्ता डालकर, धीमी आंच पर 3-4 मिनट के लिए लगातार हिलाते हुए भून लें। निकालकर एक तरफ रख दें। एक छोटे पैन में तेल गरम करें, खड़ा धनिया, चना दाल, उड़द दाल, काली मिर्च, जीरा, सरसों, तिल, लाल मिर्च और नारियल डालकर धीमी आंच पर लगातार हिलाते हुए 5 मिनट के लिए भून लें। ठंडा करने के बाद, कड़ीपत्ता, इमली, गुड़ और नमक डालकर, मिक्सर में पीसकर मुलायम पाउडर बना लें। हवा बन्द डब्बे में रखकर जरुरत अनुसार प्रयोग करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**